sab ka sapna 11 March 2026:Layout 1 10-03-2026 21:19 Page 1

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : सूर्यकुमार पेज: 7

मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 328 | बुधवार 11 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

यूपी के हर गांव तक अब दौड़ेगी बस, योगी कैबिनेट ने 'ग्राम परिवहन योजना' को दी मंजूरी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 को मंजूरी दे दी, जिसके तहत राज्य के हर गांव तक बसों की आवाजाही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। लोकभवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वित्त और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 31 प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से 30 को मंजूरी दे दी गई। संवाददाता सम्मेलन में मौजूद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एक बयान के अनुसार उन्होंने बताया, अभी तक 12,200 गांवों तक बसें नहीं पहुंच रही थीं, लेकिन नयी नीति के तहत उत्तर प्रदेश की सभी 59,163 ग्राम सभाओं तक बसें पहुंचेंगी। इन बसों को परमिट व टैक्स से मुक्त रखा गया है।

विश्व भर में चिंताजनक हालात के बीच मोदी मंत्रिमंडल ने लिये कई बड़े और अहम फैसले

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज कई अहम फैसले लिये गये। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक ढांचे, आधारभूत संरचना और जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं संबंधी जो निर्णय लिये हैं वह दर्शा रहे हैं कि केवल विकास परियोजनाओं की घोषणा नहीं की जा रही है बल्कि उन्हें विकसित भारत के दीर्घकालिक लक्ष्य से जोड़ते हुए क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक सशक्तिकरण और राजनीतिक संदेश को भी साधने की कोशिश की जा रही है। सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में ग्रामीण जल आपूर्ति को लेकर जल जीवन मिशन को वर्ष 2028 तक बढ़ाने और उसके लिए आठ लाख उनहत्तर हजार करोड़ रुपये का विशाल प्रावधान करना शामिल है।

इस योजना का उद्देश्य अब केवल पाइपलाइन बिछाना नहीं बल्कि हर गांव में टिकाऊ जल सेवा व्यवस्था स्थापित करना है। सुजल भारत नामक राष्ट्रीय डिजिटल ढांचा बनाकर हर गांव की जल व्यवस्था को स्रोत से नल तक डिजिटल रूप से भी जोड़ा जायेगा। हम आपको बता दें कि वर्ष 2019 में देश के केवल 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल का जल पहुंचा था, जबकि अब यह आंकड़ा 81 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। इस विस्तार ने ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव किया है। अध्ययन बताते हैं कि करोड़ों महिलाएं रोज पानी लाने के श्रम से मुक्त हुई हैं और अब वे शिक्षा, रोजगार और अन्य आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी कर पा रही हैं। स्वास्थ्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है क्योंकि स्वच्छ जल से जल जनित रोगों में कमी आयी है। जल जीवन मिशन 2.0 के माध्यम से सरकार ग्रामीण भारत में चौबीसों घंटे जल आपूर्ति का लक्ष्य तय कर रही है, जो विकसित भारत की आधारभूत आवश्यकता मानी जाती है। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए कई बड़े परिवहन प्रकल्पों को भी मंजूरी दी है। मध्य प्रदेश में उज्जैन को दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले बदनावर पेटलावद थांदला तिमरवानी मार्ग को चार लेन में विकसित करने की योजना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लगभग अस्सी किलोमीटर लम्बे इस गलियारे से यात्रा समय कम होगा और माल ढुलाई सस्ती होगी। आदिवासी बहुल धार और झाबुआ जिलों में यह परियोजना स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देगी तथा उद्योग केन्द्रों से संपर्क मजबूत करेगी। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश और हरियाणा में जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए हरित क्षेत्रीय संपर्क मार्ग के निर्माण को भी मंजूरी दी गयी है। लगभग 31 किलोमीटर लम्बा यह मार्ग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बहु परिवहन संपर्क को मजबूत करेगा। इसके माध्यम से दक्षिण दिल्ली, फरीदाबाद और गुरुग्राम से जेवर हवाई अड्डे तक तेज आवागमन संभव होगा, जिससे क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, रेल क्षेत्र में भी मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल और झारखंड के पांच जिलों में दो बहु पटरी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सैंथिया पाकुर और संतरागाछी खड़गपुर मार्गों पर चौथी पटरी बनने से रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी और भीड़भाड़ कम होगी।

मध्य प्रदेश में उज्जैन को दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेसवे से जोड़न....

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए कई बड़े परिवहन प्रकल्पों को भी मंजूरी दी है। मध्य प्रदेश में उज्जैन को दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले बदनावर पेटलावद थांदला तिमरवानी मार्ग को चार लेन में विकसित करने की योजना.....

राज्य सभा जाने से पहले राजद पर नीतीश कुमार का बड़ा हमला, पूछा - महिलाओं के लिए क्या किया?

बिहार एजेंसी: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में विकास कार्य निरंतर प्रगति कर रहा है और उन्होंने दावा किया कि बिहार देश के प्रगतिशील राज्यों में से एक बनने की ओर अग्रसर है। मधेपुरा जिले में समृद्धि यात्रा के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार द्वारा शुरू की गई विकास पहलों पर प्रकाश डाला। कुमार ने कहा कि आज जिले में विकास हो रहा है। बिहार को केंद्र सरकार से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। अब बिहार हर तरह से प्रगति करेगा और देश के प्रगतिशील राज्यों में शामिल होगा। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर निशाना साधते हुए पार्टी की कल्याणकारी पहलों, विशेष रूप से महिलाओं और

बच्चों के लिए बनाई गई पहलों के रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। कुमार ने पूछा कि क्या उन्होंने (आरजेडी) कभी महिलाओं या बच्चों के लिए कुछ किया है? हमने तो सबके लिए काम किया है। यह ऐसे समय में सामने आया है जब नीतीश कुमार ने इस सप्ताह की शुरूआत में आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपना नामांकन दाखिल किया, जिससे राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल के अंत का संकेत मिला। इसी बीच, बिहार के मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को औपचारिक रूप से जेडीयू में शामिल होकर बिहार की राजनीति में एक अभूतपूर्व बदलाव ला दिया। पार्टी में शामिल होने के बाद, कुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और अपने पिता नीतीश कुमार की 20 वर्षों तक राज्य की सेवा करने के लिए जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। मैं आप सभी के मुझ पर रखे गए भरोसे पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। मुझे, पूरे बिहार और पूरे देश को गर्व है कि मेरे पिता ने पिछले 20 वर्षों में क्या किया है। इससे पहले सोमवार को, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए, जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने कहा कि वे शायद खुद ही पद से हटना चाहते हैं, इसीलिए वे पार्टी छोड़ रहे हैं। यह टिप्पणी कुमार द्वारा इस सप्ताह की शुरूआत में आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपना नामांकन दाखिल करने के बाद आई है, जो राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल के अंत का संकेत है।

अग्निवीर को सीएम धामी का बड़ा भरोसा, बोले- 10% आरक्षण से सुरक्षित करेंगे भविष्य

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि अग्निवीरों के भविष्य की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है और उनके लिए वर्दीधारी पदों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में अग्निवीरों के रूप में भर्ती होने वाले कैडेट्स के साथ संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने यह भरोसा दिलाया। ओपी कंडारी नाम के कैडेट ने पूछा कि सरकार अग्निवीर के रूप में सेवा पूरी करने के बाद उनके रोजगार की क्या व्यवस्था कर रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने वर्दीधारी (राज्यस्तरीय बलों)पदों पर अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत

क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था की है जबकि इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार भी अनेक क्षेत्रों में अग्निवीरों को अवसर मुहैया करा रही है। उन्होंने कहा, हर अग्निवीर के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। संवाद के दौरान अग्निवीर कैडेट्स ने मुख्यमंत्री से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। यह पूछे जाने पर कि एक सैनिक के बेटे होने के कारण क्या उन्होंने कभी सेना में भर्ती होने के बारे में नहीं सोचा तो धामी ने कहा कि अपने पिता के साथ रहते हुए उन्होंने सेना के अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को करीब से देखा है। उन्होंने कहा, जिस प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ हमारे सैनिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, उसी भावना से वह प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में उत्तराखंड की जनता की सेवा करने का प्रयास करते हैं। हिमांशु रौतेला ने उनसे प्रश्न किया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री होने के नाते वह अपने परिवार को कैसे समय दे पाते हैं? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी लोग उनका परिवार हैं और सभी गांव उनके अपने गांव हैं। यह पूछे जाने पर कि उनकी पहचान धाकड़ धामी के रूप में क्यों बनी तो मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि का व्यवहार जनता के साथ सदैव सौम्य होना चाहिए लेकिन राज्यहित और जनहित में कई बार कठोर व साहसिक निर्णय लेने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है, प्रदेश में सख्त नकल विरोधी कानून और दंगा रोधी कानून भी लागू किया गया है।

'राहुल गांधी ने कभी घुटने नहीं टेके', वक्ता के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बोलीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी सत्ताधारी पक्ष के दबाव के बावजूद लगातार सच बोलते रहे हैं। सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में केवल एक ही व्यक्ति है जिसने उनके (सत्ताधारी पक्ष के) सामने सिर नहीं झुकाया है। वह हैं विपक्ष के नेता। वे उनके द्वारा बोले गए सच को पचा नहीं पा रहे हैं। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव का जवाब देते हुए विपक्ष पर अशांत होने और जनता की इच्छा के विरुद्ध जाने का आरोप लगाया, क्योंकि उनका आरोप है कि वे अध्यक्ष की शक्ति को अपने लिए हथियाना चाहते हैं। नारेबाजी के बीच विपक्षी सांसदों पर कटाक्ष करते हुए मंत्री रिजिजू ने राहुल गांधी के पिछले बयान का हवाला देते हुए

कहा कि अगर कोई सदन में खुद को स्पीकर से ऊपर समझता है तो उसके लिए उनके पास कोई उपाय नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान और सदन के नियमों को देखें तो स्पीकर के किसी भी फैसले को आज तक चुनौती नहीं दी गई है। उस दिन मुझे इस बात से ठेस पहुंची थी कि विपक्षी सांसद ने कहा था कि ह्यमुझे संसद में बोलने के लिए किसी से अनुमति लेने की जरूरत नहीं है, जो रिकॉर्ड में दर्ज है। संसद में बोलना मेरा अधिकार है, हमारे विपक्ष के नेता ने यह कहा था। इसलिए मैं सोच रहा था कि कांग्रेस में कई वरिष्ठ सदस्य हैं, उन्होंने यह क्यों नहीं समझाया कि इस सदन में प्रधानमंत्री, मंत्री, विपक्ष के नेता मौजूद रह सकते हैं, लेकिन बोलने के लिए स्पीकर की अनुमति जरूरी है। रिजिजू ने सदन में आगे कहा कि आप ऐसा नहीं कर सकते और फिर कहते हैं कि आपका माइक्रोफोन बंद है। बिना अनुमति के, अगर आप खुद को स्पीकर से ऊपर समझते हैं, तो मेरे पास इसका कोई उपाय नहीं है। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने आज सुबह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का प्रस्ताव रखा।

असम में भाजपा का चुनावी मंथन, सीएम हिमंता बोले- 15 मार्च तक फाइनल होगी उम्मीदवार की लिस्ट

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची 11 से 15 मार्च के बीच अंतिम रूप देगी। गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा कि यदि चुनाव आयोग चुनाव तिथियों को स्थगित करता है, तो जन आशीर्वाद यात्रा का तीसरा चरण आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम यात्रा का तीसरा चरण करेंगे; अन्यथा, यह यात्रा चुनाव के साथ जारी रहेगी। सरमा ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया, विशेष रूप से पार्टी नेताओं गौरव गोगोई और रकीबुल हुसैन को निशाना बनाते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी ने कुछ स्थानों पर जन आशीर्वाद यात्रा को बाधित करने का प्रयास किया। सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने मेरी यात्रा के दौरान कुछ स्थानों पर मुश्किलें पैदा करने की कोशिश की। मैंने उन स्थानों पर कांग्रेस का कोई रुख नहीं देखा जहां सनातनी, आदिवासी, हिंदू, असमिया लोग (हिंदू और मुस्लिम दोनों) मौजूद हैं। गोगोई और हुसैन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर ये दोनों कांग्रेस पार्टी में हैं तो भाजपा को फायदा होगा। ठीक वैसे ही जैसे राहुल गांधी के कांग्रेस में रहने पर प्रधानमंत्री मोदी हमेशा प्रधानमंत्री बने रहेंगे।

उन्होंने इस दावे को भी खारिज कर दिया कि 'ओरुनोदोई योजना', जिसके तहत भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली असम सरकार 40 लाख महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में 3600 करोड़ रुपये हस्तांतरित करेगी, राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उन्होंने योजना की दीर्घकालिक अवधि का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना को लागू करने के बाद हम पहले ही तीन चुनाव जीत चुके हैं।

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा, विपक्ष पर शिवराज सिंह का तंज

नई दिल्ली एजेंसी: मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा दोनों में कार्यवाही की शुरूआत हंगामेदाराना माहौल में हुई, क्योंकि विपक्ष ने लोकसभा के अंदर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और राज्यसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। लोकसभा में कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद द्वारा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। सरकार ने मंगलवार को संसद को सूचित किया कि 2017 से 2023 के बीच देश में 1,050 आतंकवादी हमले या घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें आम नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान गई। राज्यसभा में प्लास्टिक के प्रसंस्करण, पुनःचक्रण तथा पुनःउपयोग करने पर जोर देने की मांग उठी। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने कहा कि विपक्ष सदन में संकल्प लाकर अध्यक्ष ओम बिरला पर व्यक्तिगत आक्रमण नहीं कर रहा है, लेकिन

सदन एवं संविधान की मयार्दा की रक्षा के लिए यह कदम उठाना पड़ा है। बिरला को हटाने के लिए सदन में लाए गए संकल्प पर चर्चा की शुरूआत करते हुए गोगोई ने यह आरोप भी लगाया कि वर्तमान समय में लोकसभा में माइक को भी एक अस्त्र की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है तथा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि सदन के अध्यक्ष ओम बिरला ने कभी किसी के साथ पक्षपात नहीं किया और विपक्ष के सदस्यों ने उन्हीं के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। बिरला को हटाने के लिए सदन में लाए गए संकल्प पर चर्चा में भाग लेते हुए रीजीजू ने दावा किया कि विपक्ष के कई सांसद इस प्रस्ताव के समर्थन में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कम से कम 50 से ज्यादा सांसद मुझसे मिले हैं और कहा कि वे बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से सहमत नहीं हैं, हम मजबूरी में ऐसा कर रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने का मौका नहीं देने संबंधी विपक्ष के दावों के संदर्भ में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कभी पक्षपात नहीं किया

सीएम ममता बनर्जी बोलीं- किसी की धमकी बर्दाश्त नहीं करेंगे, सीईसी ज्ञानेश कुमार ने आरोपों पर दी सफाई

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें चेतावनी दी है कि वह अपनी सीमा से बाहर न जाएं। इसके जवाब में निर्वाचन आयोग ने कहा है कि राज्य में किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा और आयोग का लक्ष्य स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना है। कोलकाता के एस्प्लानेड स्थित मेट्रो चैनल पर धरने के दौरान ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर कटाक्ष करते हुए कहा कि साहस होना अच्छी बात है, लेकिन दुस्साहस के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई बैठक में राज्य के अधिकारियों को धमकाया गया। ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि बैठक में अधिकारियों को यह कहा गया कि अभी ही नहीं बल्कि मई के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पहले अपनी कुर्सी बचाइए, फिर बंगाल के अधिकारियों और लोगों को धमकाइए। मुख्यमंत्री ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर व्यंग्य करते हुए यह भी कहा कि वह खुद

को किसी काल्पनिक नायक की तरह समझ रहे हैं और ऐसे लोग लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। कालीघाट मंदिर की उनकी यात्रा का जिक्र करते हुए ममता ने कहा कि मंदिर जाते समय कोई लगभग फिसल गया था, शायद यह संकेत है कि देवी मां भी वैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने से खुश नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए गए हैं और इसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों को प्रभावित किया गया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम मतदाताओं को विशेष रूप से निशाना बनाया गया है। ममता बनर्जी ने यह भी सवाल उठाया कि यदि मतदाता सूची में कथित तर्कगत त्रुटियां हैं तो वह केवल पश्चिम बंगाल में ही क्यों सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तकनीकी साधनों के प्रयोग से उपनामों में गलतियां पैदा की गई हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एक योजना के तहत पहले वास्तविक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं और बाद में मतदान मशीनों में गड़बड़ी करने की कोशिश की जा सकती है। उन्होंने दावा किया कि मतगणना के दिन भी ऐसी रणनीति अपनाई जा सकती है जिससे जनता को गलत संदेश दिया जाए। धरना स्थल पर उनके साथ मौजूद तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी कहा कि लगभग साठ लाख लोगों के मतदान अधिकार बहाल होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कोलकाता में हजारों होटलों के बावजूद मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने वही होटल क्यों चुना जहां अक्सर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता ठहरते हैं। उधर, इन आरोपों के बीच आज कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग हमेशा शांतिपूर्ण और सहभागी लोकतंत्र में विश्वास करते रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आयोग का उद्देश्य राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना है और हर पात्र मतदाता को मतदान का अवसर मिलेगा।

ममता बनर्जी ने यह भी सवाल उठाया कि यदि मतदाता सूची में कथित तर्कगत त्रुटियां हैं तो वह केवल पश्चिम बंगाल में ही क्यों सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तकनीकी साधनों के प्रयोग से उपनामों में गलतियां पैदा की गई हैं।

2 हिंदी दैनिक सब का सपना | विचार मंथन | अमरोहा बुधवार 11 मार्च 2026 | www.sabkasapna.com

संपादकीय

संसद के दूसरे चरण में सरकार की मुश्किल

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू हुआ और पहले दिन ही मोदी सरकार विपक्ष के सवालों से बुरी तरह घिर गई। इस बात का अनुमान पहले से था कि सत्र के पहले चरण की तरह दूसरे चरण में भी सरकार को कठिन सवालों का सामना करना पड़ेगा और यह अंदाज भी था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर खुद सामने न आकर अपने मंत्रियों को आगे करेंगे। ऐसा ही हुआ भी। सोमवार को संसद के दोनों सदनों में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान में चल रहे युद्ध और इस वजह से मध्यपूर्व में आए अभूतपूर्व संकट पर बयान दिए। लेकिन इस बयान में एक चयनित रूझान दिखा। सरकार ने केवल उन्हीं मुद्दों पर अपनी बात रखी, जिसमें उसे सुविधा हो, और असुविधाजनक बातों को बड़ी चतुराई से किनारे कर दिया गया। जैसे हजारों बरसों से जिस ईरान के साथ भारत के संबंध रहे हैं, उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर संवेदना का एक लफ्ज सरकार ने सदन में नहीं कहा, हालांकि खामेनेई की मौत के छह दिन बाद जाकर विदेश सचिव ने ईरानी दूतावास में शोक संदेश लिखा। ईरान पर हमले की निंदा भारत सरकार ने नहीं की। हिंद महासागर में जिस ईरानी युद्धपोत पर हमला कर अमेरिका ने सौ से ज्यादा नौसैनिकों की जान ले ली, उस पर भी भारत सरकार ने ऐतराज नहीं जताया, जबकि ये नौसैनिक भारत के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास से लौट रहे थे। अमेरिका और इजरायल ने भारतीय मेहमानों की जान ली और मोदी सरकार इस पर भी चुप रही, इससे ज्यादा शर्मनाक बात नहीं हो सकती। कायदे से सरकार को ईरान युद्ध और उसके प्रभाव की पूरी तस्वीर संसद में पेश करनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने आधी-अधूरी बात की और उस पर तुर्रा यह कि विपक्ष सवाल पूछे तो उसे गैरजिम्मेदाराना कहा जाए। बता दें कि विपक्ष ने सोमवार को संसद के दोनों सदनों में युद्ध और उसके समेकित प्रभाव से जुड़े सवाल सरकार से पूछने की मांग की, मगर इस मांग को लगातार नकारा गया, नतीजा यह हुआ कि राज्यसभा से विपक्ष ने बहिर्गमन किया। इसके लिए भी सरकार ने विपक्ष को ही दोषी ठहराया। इससे पहले जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी बात रखी तो सत्ता पक्ष की तरफ से लगातार हल्ला किया गया। हालांकि फिर भी खड़गे जी ने मांग रखी कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर उभरती चुनौतियों पर अल्पकालिक चर्चा हो। उन्होंने कहा, 'यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है; इसने अब भारत की ऊर्जा सुरक्षा और देश की छवि को प्रभावित किया है। इस संघर्ष के परिणाम हमारी आर्थिक स्थिरता पर भी असर डालेंगे।' उन्होंने खाना बनाने के गैस की कीमतों में वृद्धि, ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर प्रभाव का जिक्र किया। यही बातें लोकसभा में भी विपक्ष उठाना चाह रहा था लेकिन उसे अनुमति नहीं मिली। जबकि यह हकीकत है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका का हमला और उस पर ईरान के पलटवार का खामियाजा केवल खाड़ी देश ही नहीं भारत भी उठा रहा है। इस इलाके में कम से कम एक करोड़ भारतीय रहते हैं, जिसमें अभी 67 हजार ही वापस आए हैं।

चिंतन-मनन

इसलिए रह जाती है पूर्व जन्म की स्मृतियां

माना जाता है कि संसार में हम जो भी काम करते अथवा बोलते हैं वह एक उर्जा के रूप में प्रकृति में वर्तमान रहती है। उर्जा के विषय में विज्ञान कहता है कि उर्जा कभी नष्ट नहीं होती है। इसका स्वरूप बदलता रहता है। हमारी आत्मा भी उर्जा का ही स्रोत है इसलिए कभी मनुष्य शरीर में रहती है तो कभी पशु, कीट की योनी में जाकर रहती है। लेकिन अपनी आत्मा को हम किस रूप में स्थान देना चाहते हैं यह हमारे अपने हाथ में है। जिस प्रकार उर्जा को कर्म के अनुसार रूपांतरित किया जा सकता है ठीक उसी प्रकार कर्म के अनुसार आत्मा को भी रूप दिया जा सकता है। पुराणों में बताया गया है कि आत्मा का वही रूप होता है जैसे शरीर में वह विराजमान होता है। वर्तमान जन्म में हम जो अच्छे या बुरे कर्म करते हैं उसके अनुरूप आत्मा दूसरा शरीर ग्रहण करती है। आत्मा अपने साथ पूर्व जन्म की स्मृति और आकांक्षाओं को भी साथ में लेकर दूसरे शरीर में प्रवेश करती है। शरीर बदलने के बाद भी आत्मा पुराने शरीर की स्मृतियों को नहीं भूलती है। इस तथ्य को परामनोवैज्ञानिक भी स्वीकार करते हैं। मरने के समय जिनकी आत्मा अतृप्त रहती है और पूर्व जन्म कार्यों को पूरा करने के लिए छटपटाती रहती है। ऐसे लोगों को अपने पूर्व जन्म की कई बातों की स्मृति रहती है। पुराणों में पार्वती के पूर्व जन्म की कथाओं का उल्लेख मिलता है। कथाओं में बताया गया है कि पार्वती को पूर्व जन्म में प्रजापति दक्ष की पुत्र के रूप में जन्म लेकर शिव से विवाह और अग्नि कुण्ड में भष्म होने की घटना का स्मरण था। शिव को फिर से पति रूप में पाने के लिए ही सती ने पार्वती के रूप में जन्म लिया और कठोर तपस्या किया। पुराणों और शास्त्रों में कई ऐसी कथाओं का जिप्र किया गया है जिसमें व्यक्ति को अपने पूर्व जन्म की घटनाओं की स्मृति रही। जिमूतवाहन व्रत में भी इसी तरह की एक कथा का उल्लेख मिलता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

तीन साल में तीन आईसीसी ट्रॉफी: भारतीय क्रिकेट का स्वर्णिम दौर और खिलाड़ियों की मेहनत का ऐतिहासिक फल

कांतिलाल मांडोत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने केवल एक टूनार्मेंट नहीं जीता, बल्कि लगातार सफलता की ऐसी कहानी लिखी जिसने दुनिया को भारतीय क्रिकेट की ताकत का एहसास करा दिया। पिछले तीन वर्षों में तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतना इस बात का प्रमाण है कि टीम इंडिया ने निरंतरता, आत्मविश्वास और सामूहिक मेहनत से सफलता का नया अध्याय रचा है।

भारत की इस शानदार जीत में बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाजों तक सभी खिलाड़ियों का योगदान रहा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। इतने बड़े लक्ष्य के सामने न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई और पूरी टीम 159 रन पर ही सिमट गई। इस प्रकार भारत ने न केवल जीत दर्ज की बल्कि टी-20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक शैली का शानदार प्रदर्शन भी किया।

इस ऐतिहासिक जीत का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि भारत ने तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां जीतने का कारनामा किया है। वर्ष 2024 में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर लगभग 17 वर्षों बाद इस खिताब को अपने नाम किया था। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी लय बरकरार रखी और अब 2026 में फिर से टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया। लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारत पहली टीम बन गई है और यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम दौर को दशार्ती है।

टीम इंडिया की सफलता के पीछे केवल प्रतिभा नहीं बल्कि खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, अनुशासन और टीम भावना भी है। इस टूनार्मेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने जिस आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, उसने विरोधी टीमों के गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा। पूरे टूनार्मेंट में भारत ने 106 छक्के लगाए, जो किसी भी टी-20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं बल्कि आक्रामक क्रिकेट खेलने में भी सबसे आगे है।

इस शानदार प्रदर्शन में सबसे बड़ा योगदान रहा भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का। संजू सैमसन ने पूरे टूनार्मेंट में 321 रन बनाए और भारत के लिए एक टी-20 वर्ल्ड कप संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 2014 में 319 रन बनाए थे। संजू की बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, आक्रामकता और जिम्मेदारी का अद्भुत संतुलन दिखाई दिया, जिसने भारत को कई कठिन मैचों में जीत दिलाई।

संजू सैमसन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने बड़े मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल और फाइनल जैसे दबाव भरे मुकाबलों में भी उन्होंने अर्धशतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पूरे टूनार्मेंट में उनका स्ट्राइक रेट लगभग 200 के आसपास रहा, जो टी-20 क्रिकेट के लिए बेहद प्रभावशाली माना जाता है। उनके इस शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट भी चुना गया।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी में इंसान किशन और अभिषेक शर्मा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईशान किशन ने पूरे टूनार्मेंट में 317 रन बनाए और कई मैचों में तेज शुरूआत देकर टीम को मजबूत आधार दिया। वहीं अभिषेक शर्मा ने फाइनल में केवल 18 गेंदों में अर्धशतक लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को पूरी तरह से दबाव में ला दिया।

टीम इंडिया की गेंदबाजी भी इस टूनार्मेंट में उतनी ही प्रभावशाली रही। भारतीय तेज गेंदबाज जशप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूनार्मेंट में सबसे अधिक विकेट हासिल किए। फाइनल मैच में उन्होंने केवल 15 रन देकर 4 विकेट लिए और न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में शानदार गेंदबाजी ने भारत की जीत को आसान बना दिया। यही कारण है कि उन्हें फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया।

भारतीय टीम की सफलता में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का योगदान भी बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पूरे टूनार्मेंट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। हार्दिक ने 200 से अधिक रन बनाए और साथ ही महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए। सेमीफाइनल में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाई, जिसने टीम का आत्मविश्वास और भी मजबूत कर दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवम दुबे की छोटी लेकिन विस्फोटक पारी भी बेहद अहम साबित हुई। जब भारत की पारी थोड़ी धीमी पड़ती दिखाई दे रही थी, तब शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में तेज रन बनाकर टीम का स्कोर 255 तक पहुंचा दिया। उनकी केवल 8 गेंदों में 26 रन की पारी ने न्यूजीलैंड के सामने बेहद मुश्किल लक्ष्य खड़ा कर दिया।

इस पूरी सफलता के पीछे टीम के कोच गौतम गम्भीर की रणनीति और मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रहा। गंभीर पहले खिलाड़ी के रूप में बड़े फाइनल मैचों में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और अब कोच के रूप में भी उन्होंने टीम को सफलता दिलाई है। उनकी सोच, रणनीति और खिलाड़ियों पर विश्वास ने टीम को लगातार जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई।

भारतीय टीम की इस जीत ने पूरे देश में उत्साह और गर्व का माहौल बना दिया। जीत के बाद देशभर में लोगों ने सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। कई जगहों पर आतिशबाजी हुई और लोग तिरंगा लेकर खुशी से झूमते नजर आए। यह जीत केवल खिलाड़ियों की नहीं बल्कि पूरे देश की जीत बन गई।

दरअसल, खेल केवल प्रतिभा का नहीं बल्कि मेहनत, धैर्य और टीम भावना का परिणाम होता है। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अभ्यास, फिटनेस और मानसिक मजबूती के साथ खुद को तैयार किया और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। यही कारण है कि उनकी मेहनत का फल अब लगातार जीत के रूप में सामने आ रहा है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा का प्रतीक है। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरणा देगी कि अगर मेहनत, समर्पण और टीमवर्क के साथ खेला जाए तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

भारतीय क्रिकेट टीम ने इस जीत के साथ दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह केवल मजबूत टीम ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट की नई शक्ति बन चुकी है। खिलाड़ियों की मेहनत, कोच की रणनीति और करोड़ों भारतीयों के समर्थन ने मिलकर यह ऐतिहासिक सफलता संभव बनाई है। यही कारण है कि आज हर भारतीय गर्व से कह सकता है कि यह जीत मेहनत, विश्वास और सपनों की जीत है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ईरान- भारत का मित्र या शत्रु ?

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका -इजरायल-ईरान के बीच युद्व चल रहा है। ऐसे में देश के अंदर बहस छिड़ी हुई है कि ईरान का विरोध किया जाए या समर्थन । वहीं देश में ईरान के मृत पूर्व लीडर अली खामेनेई की तस्वीर लेकर एक वर्ग समुदाय अपना दुख प्रगट कर रहा है। ऐसे में भारत ने भी ईरान के दूतावास जाकर कुछ दिन बाद जाकर अपनी श्रंद्वाजलि दुख प्रगट कर आया है। भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र। बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें। लेकिन सरकार अभी तक यह नहीं बता पाई कि इस युद्व के पनपने वाली मंहगाई से कैसे निपटेगी। वर्तमान में कर्मशियल गैस पर अंकुश लग चुका है। घरेलू गैस पर संकट न आये तो सरका र क्या क्या कार्य रही है।

अगर हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के बारे में पड़ताल करें तो पायेंगे कि भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, संस्कृति और भाषा का आदान-प्रदान होता आया है। फारसी भाषा का प्रभाव भी मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक और सांस्कृतिक परंपराओं में भी दिखाई देता है। हमें ईतिहास में जाकर यह भी भूलना न होगा कि संघर्ष भी हुए, जैसे 1739 में ईरानी शासक नाडेर शाह ने भारत पर आक्रमण कर बैटल ऑफ करनाल में मुगलों को हराया था। लेकिन आधुनिक दौर में दोनों देशों के संबंध मुख्यतः सहयोग और कूटनीति पर आधारित रहे हैं।

अगर हम ऊर्जा और व्यापार में साझेदारी की बात करें तो भारत एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और ईरान तेल-गैस का बड़ा स्रोत रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईरान महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारत ने ईरान के चाबाहार पोर्ट के विकास में निवेश किया है, जिससे भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच मिलती है और पाकिस्तान को बाईपास करने का रास्ता मिलता है।

ज्ञात रहे कि भारत -ईरान का रणनीतिक सहयोग रहा है और भारत और ईरान कई क्षेत्रों में सहयोग करते आये हैं। जैसे कि आतंकवाद और ड्रग तस्करी के खिलाफ सहयोग। अफगानिस्तान की स्थिरता में साझा हित, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएं सहित अन्य कारणों से ईरान भारत के लिए रणनीतिक रूप से उपयोगी साझेदार माना जाता रहा है।

आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नीति स्पष्ट है कि सभी देशों से संबंध रखना। किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल न होना। अपने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना। इसलिए ईरान-इजरायल या ईरान-अमेरिका तनाव में भारत अक्सर तटस्थ रुख अपनाता है और शांति की अपील करता है।

वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या ईरान भारत का मित्र है या शत्रु। दरअसल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रिश्ते स्थायी दोस्ती या दुश्मनी के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। भारत और ईरान के संबंध भी इसी सिद्धांत पर चलते रहे हैं।

पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हाल के वर्षों में क्षेत्रीय संघर्ष, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय दबावों के कारण ईरान वैश्विक चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। खासकर अमेरिका और इजराइल के साथ उसके तनावपूर्ण संबंधों ने पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान की विदेश नीति हमेशा से पश्चिमी देशों के प्रभाव का विरोध करने वाली रही है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही अमेरिका और ईरान के रिश्तों में कड़वाहट बनी हुई है। अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया है, लेकिन इसके बावजूद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश जारी रखी है।इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की स्थिति न होते हुए भी छद्म युद्ध और सैन्य गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। यदि यह तनाव

खुली लड़ाई में बदलता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। भारत के लिए भी ईरान का महत्व कम नहीं है। भारत और ईरान के बीच ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग के संबंध रहे हैं। विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। हालांकि अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण भारत को ईरान के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखना पड़ता है। आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि ईरान और पश्चिमी देशों के बीच संवाद और कूटनीति को बढ़ावा दिया जाए। युद्ध और टकराव किसी भी समस्या का समाधान नहीं होते। यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो सकती है, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता भी मजबूत हो सकती है।

स्मृति दिवस विशेष महिला शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन कि अग्रदूत- सावित्रीबाई फूले

भारतीय समाज के इतिहास में कुछ ऐसे महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, त्याग और संघर्ष से समाज को नई दिशा दी। ऐसे ही महान व्यक्तित्वों में सावित्रीबाई फुले का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक और संवेदनशील कवयित्री थीं। उन्होंने उस समय महिलाओं और दलितों के लिए शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया, जब समाज में महिलाओं को पढ़ाना पाप समझा जाता था। सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंदोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था। उस समय समाज में लड़कियों की शिक्षा का कोई महत्व नहीं था, इसलिए बचपन में सावित्रीबाई को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल सका। कम उम्र में ही उनका विवाह 1841 में महान समाज सुधारक Jyotirao Phule से हो गया। विवाह के समय सावित्रीबाई निरक्षर थीं, लेकिन ज्योतिराव फुले ने उनकी प्रतिभा और क्षमता को पहचाना और उन्हें घर पर ही पढ़ाना शुरू किया। सावित्रीबाई ने शिक्षा के महत्व को समझा और बहुत लगन से पढ़ाई की। बाद में उन्होंने शिक्षिका बनने का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। 1848 में सावित्रीबाई फुले और ज्योतिराव फुले ने मिलकर पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत का पहला स्कूल खोला। यह उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। सावित्रीबाई स्वयं इस विद्यालय में पढ़ाने लगीं और इस प्रकार वे भारत की पहली महिला शिक्षिका बनीं। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने के लिए जाती थीं, तब समाज के कुछ कट्टरपंथी लोग उनका विरोध करते थे। कई

बार लोग उन पर पत्थर, कीचड़ और गोबर तक फेंकते थे। लेकिन सावित्रीबाई ने इन अपमानों और कठिनाइयों से हार नहीं मानी। वे हर दिन अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी लेकर जाती थीं ताकि स्कूल पहुंचकर उसे बदल सकें और बच्चों को पढ़ा सकें। उनका यह साहस और समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है। सावित्रीबाई फुले का मानना था कि शिक्षा ही समाज को बदलने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने महिलाओं और दलित वर्ग के लोगों के लिए शिक्षा का प्रसार किया। कुछ ही वर्षों में उन्होंने और ज्योतिराव फुले ने मिलकर बालिकाओं के लिए कई विद्यालय स्थापित किए। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 1852 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका के रूप में सम्मानित भी किया गया।सावित्रीबाई फुले ने केवल शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि समाज में व्याप्त अनेक कुरीतियों के खिलाफ भी आवाज उठाई। उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा, जाति भेदभाव और छुआछूत जैसी अमानवीय प्रथाओं का विरोध किया। उन्होंने विधवाओं के पुनर्विवाह का समर्थन किया और समाज में महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष किया। 1853 में सावित्रीबाई फुले और ज्योतिराव फुले ने ह्वबालहत्या प्रतिबंधक गृहह्व की स्थापना की। उस समय समाज में अविवाहित या विधवा महिलाओं द्वारा जन्मे बच्चों को मार देने की घटनाएं होती थीं। इस संस्था के माध्यम से ऐसी महिलाओं को आश्रय दिया जाता था और उनके बच्चों की देखभाल की जाती थी। यह कार्य उनके मानवीय दृष्टिकोण और करुणा का प्रतीक था। सावित्रीबाई फुले एक उत्कृष्ट कवयित्री भी थीं। उनकी कविताओं में शिक्षा, समानता, आत्मसम्मान और सामाजिक जागरूकता का संदेश मिलता है। उनकी प्रमुख कृतियों में ह्वकाव्य फुलेह्व और ह्वबावनकशी सुबोध रत्नाकरह्व शामिल हैं। इन रचनाओं के माध्यम से उन्होंने समाज को जागरूक करने का प्रयास किया। 1897 में पुणे में प्लेग महामारी फैल गई। उस कठिन समय में सावित्रीबाई फुले ने रोगियों की सेवा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। वे बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाने और उनकी देखभाल करने का कार्य कर रही थीं। इसी दौरान एक प्लेग पीड़ित बच्चे की सेवा करते समय उन्हें भी संक्रमण हो गया और 10 मार्च 1897 को उनका निधन हो गया। आज सावित्रीबाई फुले का स्मृतिदिवस है उनके त्याग बलिदान और समर्पण को समर्पित आर एस आघात की एक रचना इस प्रकार है

सावित्रीबाई माई रे नमन करें हम बारंबार,
अँधियारवा में दीप जले, उजियारे भइया संसार। हे सावित्री माई रे जननी तू जगदझ्र आधार।
पी गइ अपमान की डोरी, मन में जगायो बल,
शिक्षा की मशाल उठाई, तोड़ दइयो जुलुम के दल।
पत्थर खाई, बदरी सहाई, फिर भी न डोली माई,
सत्य धर्म की राह तुम्हारी, जग में छाई छाई।
सावित्रीबाई माई रे नमन करें हम बारंबार,
अँधियारवा में दीप जले, उजियारे भइया संसार।
नारी-मन के दुखरी आँसू, माई तुमने पहचाने,
अधिकारन की जोत जलाई, बदल दइयो भाग जुगाने।
वंचित गइया, अनपढ़ बालक, तुमने दी सूरत नई,
किताब रखी उनके हाथन में, खुल गइ तकदीर नई।
सावित्रीबाई माई रे नमन करें हम बारंबार,
अँधियारवा में दीप जले, उजियारे भइया संसार।
माई बनि तुमने पीड़ित के, माथे हात धरायो,
मानवता को सबसे ऊपर, तनझ्रमन सब बलि दियो।
ज्योतिबा संग उठायो ध्वज, समानता का गान,
नारी शिक्षा के पहले सुर में, गूंज उठो भारत धाम।
सावित्रीबाई माई रे नमन करें हम बारंबार,
अँधियारवा में दीप जले, उजियारे भइया संसार।
सावित्रीबाई माई रे चरणन में हम शत-नमन,
त्याग-तपस्या तेरी माई, जनझ्रजन के तुहुँ जीवन।
सावित्री माई रे नमन करें हम बारंबार,
अँधियारवा में दीप जले, उजियारे भइया संसार।
सावित्रीबाई माई रे नमन करें हम बारंबार,
अँधियारवा में दीप जले, उजियारे भइया संसार।

सावित्रीबाई फुले का जीवन साहस, त्याग और सामाजिक सेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि शिक्षा समाज में परिवर्तन लाने की सबसे बड़ी शक्ति है। आज भी उन्हें महिला शिक्षा और सामाजिक न्याय की अग्रदूत के रूप में याद किया जाता है। उनका जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य और न्याय के मार्ग पर चलते हुए समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए।

आर एस आघात मुंबई से

sab ka sapna 11 March 2026:Layout 1 10-03-2026 21:19 Page 3

पी.एम.श्री विद्यालय में वार्षिकोत्सव,एसडीएम ने किया कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन,छात्रों को किया सम्मानित

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील स्थित पी.एम. श्री कंपोजिट विद्यालय चकनवाला में वार्षिकोत्सव और करियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी (एसडीएम) धनौरा विभा श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि महिला थाना प्रभारी गजरौला प्रिया रानी और खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) प्रकाश चंद ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यालय में नवनिर्मित कंप्यूटर लैब का भी उद्घाटन किया। बता दें कि मंगलवार को आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में अपार क्षमता है। उन्होंने बताया कि कंप्यूटर लैब के

माध्यम से बच्चों का डिजिटाइजेशन होगा, जिससे वे वैश्विक स्तर पर जानकारी प्राप्त कर खुद को स्थापित कर सकेंगे।महिला थाना प्रभारी प्रिया रानी ने कहा कि ग्रामीण परिवेश के बावजूद पी.एम. श्री विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दे रहा है। उन्होंने छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार करियर चुनने के लिए प्रेरित किया।राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMS) 2026 में विद्यालय के 7 बच्चों का चयन होने पर मुख्य अतिथि ने उन्हें शील्ड देकर सम्मानित किया। एसडीएम ने इस उपलब्धि के लिए समस्त स्टाफ की प्रशंसा की।बीईओ प्रकाश चंद ने कहा कि विद्यालय में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं से बच्चों का चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों का प्रवेश सरकारी विद्यालयों में कराने की अपील की। उन्होंने

खेलों के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि खेलों से स्वास्थ्य और अनुशासन दोनों बेहतर होते हैं।कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। एआरपी सत्यप्रकाश गौतम ने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ 'लर्निंग बाय डूइंग', डांस, संगीत और अन्य गतिविधियों से ही बच्चों का पूर्ण विकास संभव है।अंत में प्रधानाध्यापक सुखदेव सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नीरज निर्मल द्वारा किया गया।इस अवसर पर एआरपी रोहताश सिंह, सुनील कुमार, फरमान अली, अंजलि त्यागी, दीपेंद्र सिंह, निधि चौधरी, मीनाक्षी, अनिल कुमार, शिक्षा, परवीन सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह और विरेन्द्र सिंह सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

किराए के कमरे में चोरी, पुलिस ने दी कैमरे लगवाने की सलाह

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा रहरा में चोरों ने शराब के ठेके पर काम करने वाले सेल्समेन के किराए के कमरे का ताला काटकर नगदी चोरी कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। जानकारी के अनुसार जनपद हापुड़ के सिंभावली थाना क्षेत्र के रहने वाले सोनू शर्मा रहरा में भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष टीटू त्यागी के मकान में किराए का कमरा लेकर रहते हैं। सोनू शर्मा स्थानीय देशी शराब के ठेके पर सेल्समेन के रूप में कार्यरत हैं। सोमवार को भी वह प्रतिदिन की तरह अपने कमरे का ताला लगाकर काम पर चले गए थे। बताया जाता है कि रात करीब 10:30 बजे जब सोनू शर्मा ठेका बंद करके वापस अपने कमरे पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कमरे का ताला कटा हुआ पड़ा है।

यह देखकर उनके होश उड़ गए। जब उन्होंने कमरे के अंदर जाकर देखा तो वहां रखा सामान बिखरा हुआ था और करीब 1500 रुपये की नगदी गायब थी। घटना के बाद सोनू शर्मा ने तुरंत मकान मालिक भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष टीटू त्यागी को सूचना दी। इसके साथ ही पुलिस को भी चोरी की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर हल्का दरोगा प्रहलाद सिंह मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पीड़ित सोनू शर्मा ने दरोगा से मामले में कार्रवाई करने की बात कही तो दरोगा ने कहा कि इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। पीड़ित का यह भी आरोप है कि दरोगा मौके से कटे हुए ताले को अपने साथ ले गए, लेकिन उन्हें किसी प्रकार की कार्रवाई की जानकारी नहीं दी गई। साथ ही पुलिस के द्वारा कैमरे लगवाने की सलाह दी गई। इस घटना के बाद क्षेत्र में चोरी की वारदात को लेकर लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन छोटी-मोटी चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस इन पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही है। वहीं इस मामले में थाना अध्यक्ष रहरा बृजेश सिंह से बात करनी चाही तो उन्होंने फोन रिसीव करने की जरूरत नहीं समझी।

रमजान बरकतों का महीना, इबादत के साथ नेकी का मौका: जावेद अली

भारतीय किसान यूनियन के जिला सचिव ने रोजा की फजीलत बताई, गरीबों की मदद पर दिया जोर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (इंडिया) के जिला सचिव जावेद अली ने रमजान को बरकतों, रहमतों और मगफि रत का महीना बताया। उन्होंने कहा रोजा रखने से शरीर का सदका-ए-जारिया होता है और यह रूहानी व जिस्मानी बीमारियों से हिफाजत देता है। जावेद अली के अनुसार, यह माह सिर्फ इबादत का नहीं बल्कि ज़िंदगी बेहतर बनाने का

मौका है। यह माह जरूरतमंदों की मदद, गरीबों को खाना खिलाना और गुनाहों से तौबा करने की सीख देता है। मुसलमान इस दौरान रोजा, नमाज, कुरआन की तिलावत और दुआओं से अपना रूहानी सफर मजबूत करते हैं, साथ ही सब्र, शुक्र और नेकदिली की तालीम पाते हैं। उन्होंने अपील की कि लोग दोस्तों-रिश्तेदारों को मुबारकबाद दें और इस पाक महीने में गरीब, मजबूर और मोहताज की जितनी हो सके मदद करें।

पुलिस ने पांच युवकों का धारा 170 में चालान कर न्यायालय भेजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना गजरौला पुलिस ने धारा 170 के तहत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। यह कार्रवाई अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है।गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुरेंद्र

पुत्र रामशरण सिंह, गजेंद्र पुत्र रामशरण सिंह, आकाश पुत्र सुरेंद्र सिंह, अमरदीप पुत्र स्वर्गीय जगत सिंह (सभी निवासी ग्राम बारसाबाद, थाना गजरौला) और कमल पुत्र देवेंद्र सिंह (निवासी मायापुरी कस्बा, थाना गजरौला) के रूप में हुई है।थाना प्रभारी मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अगर क्षेत्र में किसी ने भी अपराध किया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

रोजा इफ्तार में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का जयंत चौधरी को दिया गया निमंत्रण

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को रालोद अमरोहा के युवा जिलाध्यक्ष इरकान अली ने नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर भेंट कर रोजा इफ्तार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनने का निमंत्रण दिया। इरकान अली ने बताया कि अमरोहा में रमजान के दौरान आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में हिंदू-मुस्लिम-सिख-

ईसाई सभी समुदायों की सहभागिता से गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक समरसता का संदेश दिया जाएगा।
उन्होंने मंत्री से व्यस्त कार्यक्रम में से अनुकूल तिथि बताने का आग्रह किया ताकि आयोजन उसी अनुसार किया जा सके। आयोजकों का कहना है कि जयंत चौधरी की उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा मिलेगी और अमरोहा से एकता का सकारात्मक संदेश जाएगा।

अमरोहा कलेक्ट्रेट पर भाकियू शंकर का धरना प्रदर्शन

उपभोक्ताओं व किसान समस्याओं को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट पर भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने मंगलवार को किसानों और उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के नेतृत्व में यह धरना दिया गया और जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। बता दें कि सौंपें गये ज्ञापन में मुख्य रूप से चकबंदी में अनियमितताओं, डिजिटल सत्यापन की समस्याओं, संविदा कर्मियों के वेतन संबंधी मुद्दों, गन्ना समितियों के पंजीकरण, जिला सहकारी बैंक में सुधार और केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) लिमिट बढ़ाने की मांगें शामिल थीं।इसके अतिरिक्त, संगठन ने नकली गन्ना बीज पर रोक लगाने, विद्युत व्यवस्था में सुधार, विद्युत विभाग में उपभोक्ता शोषण पर नियंत्रण, घरेलू उपभोक्ताओं को राहत, अमरोहा विकास प्राधिकरण का गठन, सड़क निर्माण और राष्ट्रीय राजमार्ग NH-9 पर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई।संगठन ने आरोप लगाया कि प्रदेश के कई विभागों में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के कारण किसानों और आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो संगठन एक बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।इस अवसर पर चौधरी धर्मवीर सिंह, शेर सिंह राणा, बबीता रानी, नीतू, मंजू, शीला, कुसुमलता, विक्रम सिंह और नरेश कुमार सहित कई किसान मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने सैनिक सम्मेलन व गोष्ठी आयोजित कर पुलिसकर्मियों की सुनी समस्या

कानून व्यवस्था व प्रचलित अभियानों की समीक्षा करते हुए दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और पुलिस बल की समस्याओं के समाधान के लिए मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने सैनिक सम्मेलन और मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया। इसके बाद आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक, छक्का प्रभारी, यातायात प्रभारी तथा सभी थाना/शाखा प्रभारियों ने भाग लिया। एसपी ने टॉप-10 अपराधियों व चिन्हित माफियाओं के विरुद्ध गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट, हिस्ट्रीशीट खोलने और जिला-बदर की कार्रवाई तेज करने को कहा। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन,

कऋफर., पीजीआरयू और जनशिकायतों के निस्तारण की थानावार समीक्षा कर निष्पक्ष व समयबद्ध जांच के आदेश दिए गए। COP OF THE MONTH, ऑपरेशन क्लीन-2, त्रिनेत्र ऐप, ई-ऑफिस, मिशन शक्ति व महिला अपराध नियंत्रण की प्रगति भी आँकी गई। लंबित हत्याकांड, लूट, डकैती, बलात्कार, पॉक्सो एक्ट के मामलों में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी पर विशेष बल दिया गया। एसपी ने अवैध शराब, जुआ-सट्टा, मादक पदार्थों के कारोबार पर रोक लगाने, साइबर ठगी की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और त्योहारों को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए भी कड़े निर्देश जारी किए। थाना प्रभारियों को फरियादियों से शालीन व्यवहार कर त्वरित कानूनी सहायता देने को कहा गया।

महिला आयोग की सदस्या आज विकास भवन में करेंगी महिला जनसुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग मानव अधिकार आज महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं विषयक जागरूकता महिला जनसुनवाई कार्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या, संगीता जैन की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाना

निर्धारित है। इसी क्रम में महिलालों से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाए विषयक जागरूकता चौपाल तथा महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आज विकास भवन सभागार, अमरोहा में उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन द्वारा उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना पत्रों पर जनसुनवाई के साथ-साथ विगत माह में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

धनौरा स्थित महाविद्यालय में स्वयंसेवियों ने पौधारोपण कर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील धनौरा स्थित भागीरथी देवी (स्नातकोत्तर) महाविद्यालय, मंडी धनौरा की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई के विशेष शिविर के सातवें दिन पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मोहल्ला महादेव स्थित आनंद धाम आश्रम में स्वयंसेवियों ने यूकेलिप्टस, कनेर और तुलसी जैसे विभिन्न औषधीय व छायादार पौधे रोपित किए। इस अवसर पर वन क्षेत्राधिकारी के प्रतिनिधि अनुराग चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बता दें कि इस दौरान अनुराग चौहान ने शिविर का निरीक्षण किया और स्वयंसेवियों के प्रयासों की सराहना की। उनके निर्देशन में आश्रम परिसर की रिक्त भूमि पर पौधारोपण किया गया। सभी प्रतिभागियों ने पौधों के संरक्षण और उनकी देखभाल करने की सामूहिक

शपथ भी ली।शिविर के दौरान आयोजित संगोष्ठी में हिंदी विभाग की प्रवक्ता डॉ. ममता अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं।
उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम से कम दो पौधे लगाने और उनके बड़े होने तक उनकी जिम्मेदारी उठाने का आह्वान किया।समाजशास्त्र विभाग की प्रवक्ता डॉ. सुधा रानी ने वनों की अंधाधुंध कटाई को पर्यावरण प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बताया। उन्होंने स्वयंसेवियों से नदियों की स्वच्छता बनाए रखने और वाहनों का सीमित प्रयोग कर प्रदूषण कम करने का आग्रह किया।कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अवनीश कुमार ने किया। इस शिविर में रिया, साक्षी, मनोज, सचिन, शगुन, माही, पल्लवी और अर्चना सहित कई स्वयंसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

धनौरा में प्रसव के बाद महिला की मौत पर परिजनों ने स्टेट हाईवे किया जाम,डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन की कड़ी कार्रवाई के बाद भी धनौरा नगर में महिलाओं की मौत का आंकड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है जिसके चलते धनौरा स्थित एक अस्पताल में एक महिला ने प्रसव के बाद फिर से दम तोड़ दिया है। इस पर मृतक महिला के परिजनों ने उसके मृत शरीर को स्टेट हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया और अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा किया।इसके बाद सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने परिजनों को समझने का प्रयास किया। बता दें कि प्राप्त जानकारी के अनुसार, जलीलपुर मूंगरा निवासी पुनीत की 25 वर्षीय पत्नी बबीता को

रविवार सुबह प्रसव पीड़ा होने पर नगर के कलाली चुंगी स्थित एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर महिला का प्रसव कराया, जिसके बाद उसने एक बेटे को जन्म दिया। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद से ही बबीता की हालत ठीक नहीं थी, लेकिन डॉक्टरों ने इस पर उचित ध्यान नहीं दिया।सोमवार शाम करीब सात बजे अचानक बबीता की हालत बिगड़ गई। इसके बाद नर्सिंग होम के डॉक्टरों ने उसे मुरादाबाद के लिए रेफर कर दिया। परिजन एंबुलेंस से उसे मुरादाबाद ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही महिला की मौत हो गई।बबीता की मौत की खबर

मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए। वे वापस नर्सिंग होम पहुंचे और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।विरोध प्रदर्शन के दौरान परिजनों ने गजरौला-चांदपुर रोड पर जाम लगा दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। परिजनों ने डॉक्टरों की लापरवाही को मौत का जिम्मेदार ठहराया।सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अमरपाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया। खबर लिखे जाने तक सड़क पर जाम लगा हुआ था और परिजनों का हंगामा जारी था।

sab ka sapna 11 March 2026:Layout 1 10-03-2026 21:19 Page 4

संक्षिप्त डायरी

सामान्य मरीजों का नहीं हो पा रहा अल्ट्रासाउंड, लोगों में नाराजगी

बाराबंकी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के बाराबंकी मेंरामनगर स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रासाउंड की सुविधा होने के बावजूद आम मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। यहां गर्भवती महिलाओं का तो अल्ट्रासाउंड महिला चिकित्सक पूजा गुप्ता द्वारा किया जा रहा है, लेकिन सामान्य पेट रोगियों में चाहे महिला हो या पुरुष का अल्ट्रासाउंड नहीं हो पा रहा है। रामनगर सी एच सी में अल्ट्रासाउंड मशीन तो उपलब्ध है लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टर की तैनाती नहीं होने के कारण सामान्य मरीजों की जांच नहीं की जा रही है। इससे पेट दर्द, किडनी, पथरी व अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों को मजबूरी में निजी जांच केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है जहां उन्हें महंगी जांच करानी पड़ती है। अस्पताल में आने वाले मरीजों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में मशीन होने के बावजूद सुविधा का लाभ न मिलना बड़ी समस्या है। गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड महिला चिकित्सक द्वारा किया जाता है, लेकिन अन्य मरीजों को वापस कर दिया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अस्पताल में अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ की तैनाती कर दी जाए तो क्षेत्र के हजारों मरीजों को राहत मिल सकती है और उन्हें निजी जांच केंद्रों पर पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा। अब क्षेत्रीय लोगों के बीच यह बड़ा सवाल बना हुआ है कि आखिर आम जनों को अल्ट्रासाउंड सुविधा का पूरा लाभ कब मिल पाएगा। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से जल्द विशेषज्ञ डॉक्टर की तैनाती करने की मांग की है,

राष्ट्रीय महिला पंचायत सम्मेलन में भाग लेंगी औरैया की दो महिला प्रधान

औरैया (एजेंसी) पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 11 मार्च 2026 को नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में निर्वाचित महिला पंचायत प्रतिनिधियों का एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में जनपद औरैया की दो महिला ग्राम प्रधान प्रतिभाग करेंगी। कार्यालय जिला पंचायत राज अधिकारी औरैया द्वारा जारी पत्र के अनुसार ग्राम पंचायत जगतपुर (अजीतमल) की ग्राम प्रधान श्रीमती साधना सरगम तथा ग्राम पंचायत ककराही (भाग्यनगर) की ग्राम प्रधान श्रीमती रंजना को सम्मेलन में शामिल होने के लिए अधिकृत किया गया है। यह निर्देश निदेशक पंचायतीराज, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र के क्रम में जारी किए गए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी एस.के. यादव ने दोनों महिला प्रधानों को निर्देशित किया है कि वे 11 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में समय से पहुंचकर अनिवार्य रूप से प्रतिभाग सुनिश्चित करें। सम्मेलन में देशभर से आई महिला पंचायत प्रतिनिधियों के साथ पंचायत व्यवस्था को सशक्त बनाने, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम से संबंधित किसी भी जानकारी या सहयोग के लिए मेरठ मंडल के कार्यालय सहायक शिव कुमार से संपर्क किया जा सकता है। इस संबंध में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), खंड विकास अधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी औरैया को भी सूचना भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्कूल वैन से भिड़ी बाइक, युवक की मौत; पत्नी और चाची गंभीर घायल

औरैया (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में फफूंदझककोर मार्ग पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और चाची गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद वैन चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, शरद सोमवार रात अपनी पत्नी और चाची को उद्योग केंद्र छोड़ने गए थे। मंगलवार सुबह करीब 6 बजे ड्यूटी समाप्त होने के बाद वह दोनों को बाइक से वापस घर ला रहे थे। जैसे ही वे फफूंदझककोर मार्ग पर राधा कृष्ण इंटर कॉलेज कटरा के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक निजी स्कूल की वैन से उनकी बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। वैन बच्चों को लेने के लिए सल्लाहपुर जा रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार शरद चंद्र उर्फ छोटे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वैन चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। बाइक पर बैठी पत्नी सोनी और चाची सर्वेश कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना को देखकर राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी दिबियापुर भेजा, जहां डॉक्टरों ने शरद चंद्र उर्फ छोटे को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल सोनी और सर्वेश कुमारी को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बताया गया है कि मृतक शरद चंद्र के तीन छोटे बच्चे हैं, जिनमें कुणाल (7 वर्ष), राघव (6 वर्ष) और तान्या (4 वर्ष) शामिल हैं। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि मृतक का पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों का इलाज जारी है और फरार वैन चालक की तलाश की जा रही है।

फांसी के फंदे पर पेड़ से लटकाता मिला कल्पनाथ गुप्ता शव

जौनपुर (एजेंसी) यूपी के जौनपुर में खुटहन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव मंगलवार को फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान खुटहन गांव निवासी कल्पनाथ गुप्ता के रूप में हुई है। मंगलवार सुबह ब्लॉक मुख्यालय के पीछे खेत में शौच के लिए गए एक व्यक्ति ने शीशम के पेड़ से शव को लटका देखा। मृतक की पहचान खुटहन गांव निवासी कल्पनाथ गुप्ता के रूप में हुई है। उसने तुरंत स्थानीय लोगों और मृतक के परिवार को सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। कल्पनाथ गुप्ता उर्फ कक्कू मिस्त्री खुटहन ब्लॉक पर पंखा, कूलर, मोटर वाइंडिंग आदि का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि बीती रात पत्नी ने उनसे घर आने के बारे में पूछा था, जिस पर उन्होंने कहा था कि वह आज नहीं आएंगे। घटना की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। इस मामले में क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि मामले का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। फिलहाल, पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

6 साल बाद नकहाझलखनऊ पैसेंजर चलाने की तैयारी

बाराबंकी (एजेंसी) रेलवे विभाग बाराबंकी जरवल गोंडा क्षेत्र के यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए नकहाझलखनऊ पैसेंजर ट्रेन को फिर से शुरू करने की तैयारी में है। अगर विभागीय प्रक्रिया समय से पूरी हो गई तो जल्द ही पटरी पर दौड़ेगी। यह ट्रेन कोविड महामारी के दौरान 23 मार्च 2020 से निरस्त है। इस ट्रेन को पुनः शुरू कराने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र देकर लखनऊ गोंडा पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग की थी कि क्षेत्रीय यात्रियों की सुविधा को देखते हुए नकहाझलखनऊ पैसेंजर ट्रेन को जल्द शुरू किया जाए।

सीएम योगी बोले- छोटी से छोटी घटना पर भी नजर रखी जाए, किसी भी तरह की न हो लापरवाही

गोरखपुर (एजेंसी) मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परियोजनाओं से लोग प्रभावित हुए हैं, उन्हें मुआवजा देने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास कार्यों के कारण प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत प्रदान की जाए। साथ ही प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल बनाए रखने पर भी जोर दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक दिवसीय दौरे के दौरान गोरखनाथ मंदिर में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। बैठक में उन्होंने शहर और आसपास चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और उन्हें तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। कानून व्यवस्था की समीक्षा में उन्होंने कहा कि छोटी से छोटी घटना पर भी नजर रखी जाए। किसी तरह की भी लापरवाही न बरती जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परियोजनाओं से लोग प्रभावित हुए हैं, उन्हें मुआवजा देने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास कार्यों के कारण प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत प्रदान की जाए। साथ ही प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल बनाए रखने पर भी जोर दिया। बैठक के दौरान शहर की कानून व्यवस्था की भी विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि छोटी से छोटी घटना पर भी नजर रखी जाए। कोई लापरवाही न होने पाए। उन्होंने कहा कि शांति और सुरक्षा बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इससे पहले सोमवार शाम गोरखपुर पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने गुरु गोरखनाथ के दर्शन-पूजन किए और इसके बाद अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को शहर की प्रमुख परियोजनाओं- विरासत गलियारा, पादरी बाजार ओवरब्रिज और पिपराइच फोरलेन मार्ग सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

होली के बाद कानपुर में रंगों का ऐतिहासिक गंगा मेला शुरू

कानपुर (एजेंसी) देश भर में होली का रंग भले ही उतरने लगा हो, लेकिन कानपुर में रंगों का असली उत्सव अब शुरू होता है। सदियों पुरानी परंपरा और अनोखी रंग-बिरंगी झलकियों के लिए प्रसिद्ध ऐतिहासिक गंगा मेले की शुरूआत मंगलवार को हटिया स्थित रज्जन बाबू पार्क में झंडारोहण के साथ हुई। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को ध्वजारोहण कर मेले का शुभारंभ किया, जिसके साथ ही शहर की गलियों में रंग और उल्लास का अनोखा नजारा दिखाई देने लगा। गंगा मेले की पहचान रंगों से सजे ठेलों के साथ निकलने वाली टोलियों से होती है। टोलियां आगे बढ़ते हुए बहाना रोड तक पहुंचेंगी, जहां मटकी फोड़ और कपड़ा फाड़ होली का आयोजन किया जाएगा, जिसे देखने के लिए हर साल हजारों लोग उमड़ते हैं। कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता, भाजपा एमएलसी सलील बिश्नोई, आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेयी, हटिया मेला कमेटी के सदस्य तथा हास्य कलाकार अनु अवस्थी सहित कई जनप्रतिनिधि और इलाकाई लोग मौजूद रहे। गंगा मेला कमेटी के अध्यक्ष ज्ञानेश बिश्नोई ने बताया कि इस वर्ष 85वां गंगा मेला आयोजित किया जा रहा है।

सतीश श्रीवास हत्याकांड : 20-20 हजार के तीन इनामी हत्यारोपित मुठभेड़ में गिरफ्तार

झांसी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के कोतवाली क्षेत्र मऊरानीपुर में पूर्व पार्षद के बेटे सतीश श्रीवास की हत्या के मामले में पुलिस को मंगलवार सुबह तड़के बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने 20-20 हजार के तीन इनामी हत्यारोपितों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। सीओ मऊरानीपुर जितेन्द्र सिंह के अनुसार, 07 मार्च को मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने शाम लगभग पांच बजे सरस्वती शिशु मंदिर के पास सतीश श्रीवास को गोली मार दी थी। उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज में सतीश की मौत हो गई थी। घटना के बाद तीनों आरोपित फरार हो गए थे। पुलिस ने उन पर 20-20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था मंगलवार को सुबह तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस टीम ग्रामोदय ब्रिज के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि हत्याकांड के आरोपित मध्य प्रदेश भागने की फिराक में हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें रोकने की कोशिश की तो आरोपितों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपितों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपितों की शिनाख्त महफूज पठान, मेहराज पठान और अर्जुन उर्फ छोटू सोनकर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक 12 बोर का अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस और हत्या में इस्तेमाल की गई यामहा आरएक्स-100 मोटरसाइकिल बरामद की है

युद्ध के कारण बिगड़ी बाजार की चाल, शेयर बाजार लुढ़कने से मेरठ में निवेशकों के 500 करोड़ डूबे

मेरठ (एजेंसी) सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 2400 अंक और निफ्टी 750 अंक से ज्यादा टूट गया, जिससे शहर के निवेशकों के करीब 500 करोड़ रुपये घट गए। विशेषज्ञों ने इसके पीछे मिडिल ईस्ट तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को वजह बताया। शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। शहर के निवेशकों के कुछ ही मिनटों में 500 करोड़ रुपये घट गए। कारोबार शुरू होते ही बीएसई सेंसेक्स करीब 2,400 अंक टूट गया। निफ्टी- 50 भी 750 अंकों से ज्यादा गिर गया। ऐसे में बाजार की चाल पूरी तरह बिगड़ गई। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यूएस -इस्त्राइल और ईरान युद्ध रहा। अब वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू - राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती से निवेशकों की चैंबर फॉर डेवलपमेंट एंड प्रमोशन ऑफ एमएसएमई के सचिव और बाजार जानकार आशुतोष अग्रवाल ने बताया कि बाजार खुलने के सिर्फ 10 मिनट के भीतर बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 12.39 लाख करोड़ रुपये कम हो गया। कुल बाजार मूल्य करीब 437 लाख करोड़ रुपये तक सिमट गया। इस गिरावट का मुख्य कारण मिडिल ईस्ट में बढ़ता युद्ध और कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेज उछाल है। यह भी पढ़ें: सेंट्रल मार्केट विवाद: आज उम्मीदों पर चल सकता है बुलडोजर, ध्वस्तीकरण की कार्रवाई संभव, 90 दुकानों पर संकट शेयर ब्रोकर मुकेश कुमार गुप्ता बताते हैं कि सोमवार को बाजार में लगभग हर क्षेत्र में बिकवाली देखने को मिली। इंटरग्लोब एविएशन का शेयर करीब आठ फीसदी तक टूट गया। ऐसे में मेरठ के काफी लोगों को नुकसान हुआ। टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय स्टेट बैंक और मारुति सुजुकी के शेयरों में लगभग पांच फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। निफ्टी पीएसयू बैंक सूचकांक सबसे ज्यादा पांच फीसदी से ज्यादा गिरा। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल बाजार में गिरावट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में आई वृद्धि रही। बाजार के विशेषज्ञ डॉ. संजीव अग्रवाल के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट करीब 30 फीसदी उछलकर 118 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड भी लगभग 27 फीसदी बढ़कर 118 डॉलर के करीब पहुंच गया। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद तेल की कीमतें पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंची हैं। तेल की कीमतों में तेजी की वजह स्ट्रेट ऑफ हार्मुज में पैदा हुआ संकट है। जहां आवाजाही लगभग रुक गई है। ऐसे में आने वाले दिनों में प्लास्टिक, रबर, पेट्रोलियम उत्पादों के दाम में इजाफा होने की संभावना है। बाजार गिरने पर कुछ लोग ने किया निवेश शेयर ब्रोकर अनिल वर्मा ने बताया कि बाजार गिरने में शहर के कुछ निवेशकों ने पैसा भी लगाया। अनिल वर्मा ने बताया रूस यूक्रेन युद्ध में भी बाजार में गिरावट आई तब भी कुछ लोगों ने निवेश किया। गिरावट कुछ महीने रहेगी, लेकिन बाजार फिर उठेगा।

कानपुर शहर के 14 नाले टैप होंगे, गंगा होगी साफ, 138 करोड़ की परियोजना को मिली मंजूरी

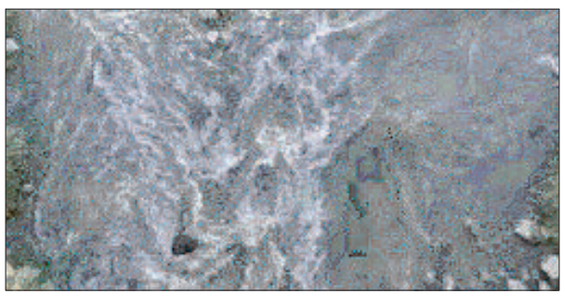

कानपुर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर कानपुर के विकास और गंगा नदी को स्वच्छ बनाने की दिशा में मंगलवार को अहम कदम उठाया गया है। शहर के 14 प्रमुख नालों को टैप करने की 138 करोड़ 11 लाख रुपये की परियोजना को स्वीकृति मिल गई है। स्थानीय सांसद रमेश अवस्थी ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना नमामि गंगे अभियान को मजबूत करने के साथ ही शहर में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। सांसद अवस्थी ने बताया कि इस योजना के तहत शहर के प्रमुख नालों के गंदे पानी को सीधे गंगा नदी में गिरने से रोका जाएगा। इसके लिए नालों को टैप कर उनके पानी को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की ओर मोड़ा जाएगा, जिससे गंगा में जाने वाले प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। लंबे समय से कानपुर में नालों से निकलने वाला अपशिष्ट जल गंगा प्रदूषण का प्रमुख कारण माना जाता रहा है। सांसद रमेश अवस्थी ने यह भी बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय जलमार्ग-एक को वाराणसी से कानपुर तक विस्तारित करने की मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल से की है। वर्तमान में यह जलमार्ग वाराणसी से कोलकाता तक संचालित है। इसे कानपुर तक करीब दो सौ किलोमीटर बढ़ाए जाने से क्षेत्र के उद्योगों को माल ढुलाई के लिए सस्ता और सुविधाजनक विकल्प मिल सकेगा। इस विस्तार से कानपुर के चमड़ा उद्योग, जिसका वार्षिक निर्यात लगभग छह हजार करोड़ रुपये है, को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। इसके अलावा लगभग दो सौ करोड़ रुपये के वस्त्र उद्योग तथा 16 हजार 675 से अधिक इंजीनियरिंग इकाइयों को भी परिवहन लागत में राहत मिलेगी। अनुमान है कि जलमार्ग के विस्तार से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में लगभग 04 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि हो सकती है और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा; साथ ही घाटमपुर और पनकी तापीय संयंत्रों को लगभग चार मिलियन टन कोयला जलमार्ग से उपलब्ध हो सकेगा, जिससे परिवहन लागत में लगभग चालीस प्रतिशत तक कमी आ सकती है।

संजय सेतु में इंस्पेक्शन जॉइंट टूटा, भारी वाहनों का आवागमन रोका गया, 124 बेयरिंग बदलने की तैयारी

बाराबंकी (एजेंसी) लखनऊ गोंडा बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर घाघराघाट स्थित संजय सेतु में तकनीकी खराबी सामने आने के बाद प्रशासन ने एहतियातन भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी है। पुल पर बढ़ते गैप और दरार को देखते हुए बाराबंकी और बहराइच के प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से लोडिंग गाड़ियों, ट्रकों, डंपरों और कंटेनरों के गुजरने पर फिलहाल प्रतिबंध लगा दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक जरवल संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहन जैसे गैस, दूध और अन्य जरूरी सामान ले जाने वाले वाहनों को ही सीमित रूप से अनुमति दी जा रही है। भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से भेजने के लिए रूट डायवर्जन भी लागू कर दिया गया है।राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) के अवर अभियंता अनंत मौर्य के अनुसार संजय सेतु पर लगा इंस्पेक्शन जॉइंट टूटकर नीचे गिर गया है, जिससे पुल पर गैप काफी बढ़ गया है। स्थिति को संभालने के लिए अस्थायी तौर पर बालू की बोरियां रखने का प्रयास किया गया, लेकिन गैप ज्यादा होने के कारण बोरियां टिक नहीं पा रही हैं। ऐसे में किसी भी जोखिम से बचने के लिए भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। अवर अभियंता ने बताया कि बहराइच बाराबंकी के प्रशासनिक अधिकारियों ने बड़े वाहनों पर रोक लगाई है। संजय सेतु लंबा और महत्वपूर्ण पुल है, इस पुल से गोंडा, बहराइच, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती व नेपाल के लिए आवागमन करते हैं। इसलिए सावधानी बरतते हुए फिलहाल छोटे वाहनों तथा बस और आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को ही गुजरने दिया जा रहा है। विभाग के अनुसार पुल में कुल 124 बेयरिंग बदलने का कार्य प्रस्तावित है, जिसे 11 मार्च से शुरू करने की तैयारी की जा रही है। यह काम नदी के नीचे से किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि मईझजून में घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ने से पहले नीचे के सभी जरूरी कार्य पूरे करने का प्रयास किया जाएगा। पुल के ऊपर स्थित इंस्पेक्शन जॉइंट का स्थायी निर्माण कार्य प्लाटून पुल बनने के बाद ही किया जाएगा। इसके लिए पुल पर आवागमन पूरी तरह बंद करना पड़ेगा, इसलिए पहले वैकल्पिक व्यवस्था तैयार की जाएगी।फिलहाल प्रशासन और तकनीकी टीम लगातार संजय सेतु की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव किया जा सके और जल्द से जल्द सुरक्षित आवागमन बहाल किया जा सके।

अब ओला, उबर को भी कराना होगा पंजीकरण, पांच हजार गांवों के लिए खुशबरी

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 को मंजूरी मिली। अब प्रदेश के हर गांव तक बस पहुंचेगी, जिसमें 12,200 गांव पहले सेवा से वंचित थे। बसें परमिट, टैक्स मुक्त होंगी। निजी संचालक सेवा दे सकेंगे। ओला और उबर को अब यूपी में पंजीकरण, ड्राइवर जांच और लाइसेंस शुल्क देना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में कैबिनेट बैठक हुई। वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने पत्रकार वार्ता में बताया कि बैठक में कुल 31 प्रस्ताव आए, जिसमें से 30 प्रस्तावों पर कैबिनेट ने स्वीकृति दी। योगी सरकार ने ग्रामीणों के हित को ध्यान में रखते हुए बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने ह्यमुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026ह्ण को स्वीकृति दी। इस योजना के माध्यम से अब उत्तर प्रदेश के हर गांव तक बस पहुंचेगी। पत्रकार वार्ता में मौजूद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक 12,200 गांवों तक बसें नहीं पहुंच रही थीं, लेकिन नई पॉलिसी के तहत उत्तर प्रदेश की सभी 59,163 ग्राम सभाओं तक बसें पहुंचेंगी। इन बसों को परमिट व टैक्स से मुक्त रखा गया है। इससे प्रदेश की बड़ी ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी। ये बसें चलाने की अनुमति निजी लोगों को मिलेगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठित होगी, जिसमें सीडीओ, एसपी, एआरटीओ, एआरएम सदस्य होंगे। ये बसें रात में गांव में ही रुकेंगी। सुबह ब्लॉक व तहसील होते हुए ये बसें सुबह 10 बजे तक जनपद मुख्यालय तक पहुंचेंगी। इस सेवा का लाभ विद्यार्थियों के अलावा कचहरी, ऑफिस या अपना उत्पाद शहर में बेचने जाने वाले लोगों को भी मिलेगा। कई गांवों में ऐसी सड़कें हैं, जहां बड़ी बसें टर्न होने में परेशानी होती है। 12,200 में से 5000 ऐसे गांव हैं, जहां बड़ी बसें टर्न नहीं हो सकतीं। इसलिए ये छोटी बसें होंगी, जिनकी अधिकतम लंबाई सात मीटर और अधिकतम सीट क्षमता 28 होगी। सुबह 10 से शाम चार बजे तक इन बसों को डायवर्ट करेंगे परिवहन मंत्री ने बताया कि सुबह 10 से शाम चार बजे तक इन बसों को डायवर्ट करेंगे। इसके बाद ये बसें दूरी के हिसाब से अधिकतम शाम 8 बजे तक गांव में पहुंच जाएंगी। इन बसों के ड्राइवर, कंडक्टर व क्लीनर आसपास गांव के लोग ही होंगे, जिससे रात में गांव में रुकने और सुबह आने में उन्हें परेशानी नहीं होगी। इन बसों की औसत आयु 15 वर्ष रहेगी, लेकिन पहले 10 साल के लिए ही इन्हें परिचालन की इजाजत दी जाएगी। परिवहन मंत्री ने बताया कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी स्थानीय स्तर पर किराया निर्धारण करेगी। इसका टिकट भी सस्ता रहेगा। इन्हें परमिट व टैक्स की आवश्यक्ता नहीं होगी। इससे बस चलाने वालों को लाभ होगा। सरकार का उद्देश्य आमजन को बेहतर सुविधा मुहैया कराना है।

sab ka sapna 11 March 2026:Layout 1 10-03-2026 21:19 Page 5

ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क सुधार के निर्देश, टेलीकॉम कंपनियों को शैडो एरिया चिन्हित करने को कहा

बिजनौर (सब का सपना):- जिले के ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में मोबाइल नेटवर्क व इंटरनेट कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन ने दूरसंचार कंपनियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय टेलीकॉम समिति (DLTC) की बैठक में अधिकारियों ने नेटवर्क समस्या वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर सुधारने पर जोर दिया। जिलाधिकारी जसजीत कौर के निदेशों के अनुपालन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित ने की। बैठक में दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए गए कि जिले के ग्रामीण और

दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क कनेक्टिविटी सुधारने के लिए आवश्यक कार्य जल्द पूरे किए जाएं। जहां नेटवर्क की समस्या अधिक है, वहां प्राथमिकता के आधार पर मोबाइल टावर या अन्य आवश्यक उपकरण स्थापित किए जाएं, ताकि लोगों को बेहतर दूरसंचार सेवाएं मिल सकें। अपर जिलाधिकारी ने टेलीकॉम कंपनियों से कहा कि जिले के ऐसे स्थानों को चिन्हित किया जाए जिन्हें शैडो एरिया कहा जाता है, यानी जहां मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है। इन क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। बैठक में मोबाइल टावरों की स्थापना से पहले सभी औपचारिकताओं और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही इंटरनेट सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने और जिले में 5जी सेवाओं के विस्तार के लिए सरकारी भवनों व खंभों के उपयोग को लेकर राइट ऑफ वे (RoW) नियमों के तहत कार्य करने को कहा गया। इस दौरान भारत नेट परियोजना के तहत ग्राम पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से इंटरनेट पहुंचाने के कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिन ग्राम पंचायतों में कार्य लंबित है, वहां तेजी लाकर जल्द पूरा कराया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज गति की इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध हो सकें। बैठक में बताया गया कि भारत नेट परियोजना के माध्यम से ग्राम पंचायतों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ने, ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य ऑनलाइन सेवाओं को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। अधिकारियों को परियोजना के कार्यों में लापरवाही न बरतने और तय समय में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में उप जिलाधिकारी सदर रितु रानी, ईओ बिजनौर विकास कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नजीबाबाद में आवारा कुत्ते का हमला, ट्यूशन जा रही छात्रा घायल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- आवारा कुत्तों के आतंक का एक और मामला सामने आया है। जहां नजीबाबाद नगर के मोहल्ला रमपुरा में ट्यूशन पढ़ने जा रही एक छात्रा पर अचानक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों ने नगर पालिका से कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला रमपुरा निवासी मेहताब की बेटी मोहल्ला दरोगरान में ट्यूशन पढ़ने के लिए जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया और कई जगह काट लिया। अचानक हुए हमले से छात्रा घबरा गई और दर्द से चीखने लगी। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह कुत्ते को भगाकर छात्रा को बचाया। घटना के तुरंत बाद परिजन घायल छात्रा को उपचार के लिए नजीबाबाद स्थित पूजा हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। बताया जा रहा है कि कुत्ते के काटने से छात्रा के शरीर पर कई जगह घाव हो गए हैं। इस घटना के बाद मोहल्ले के लोगों में डर और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है और कई बार लोग इनके हमलों का शिकार हो चुके हैं। इसके बावजूद समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। मोहल्लावासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि इलाके में घूम रहे आवारा कुत्तों को पकड़वाकर लोगों को राहत दिलाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

स्मृति और संघर्ष : सावित्रीबाई फुले पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन का दूसरा दिन सम्पन्न

नई दिल्ली (सब का सपना):- स्त्री शिक्षा और सामाजिक न्याय की अग्रदूत सावित्रीबाई फूले के स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन ह्लस्मृति और संघर्ष : सावित्रीबाई फुलेह्व का दूसरा दिन मंगलवार को सम्पन्न हुआ। यह सम्मेलन 9 मार्च से 11 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन साहित्यिक संस्था सृजन साहित्य संवाद द्वारा किया गया है। इस साहित्यिक सम्मेलन में देशभर के साहित्यकारों, कवियों और चिंतकों ने भाग लेकर सावित्रीबाई फुले के विचारों, स्त्री मुक्ति के सवालों और समकालीन सामाजिक सरोकारों पर गंभीर चर्चा की। सम्मेलन के दूसरे दिन 10 मार्च को, जो कि सावित्रीबाई फुले का स्मृति

दिवस है, शाम 7 बजे उनकी स्मृति को समर्पित एक विशेष काव्य पाठ सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आईं युवा कवयित्रियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से स्त्री अस्मिता, समानता और सामाजिक न्याय के मुद्दों को अभिव्यक्त किया। काव्य पाठ सत्र में असम से कविता कर्मकार, मध्यप्रदेश से नेहा नरुका, महाराष्ट्र से सुरेखा पैठाने दिल्ली से ममता जयंत तथा उत्तरप्रदेश से डॉ. अवंतिका सिंह ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अवंतिका सिंह ने किया, जबकि सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ कवयित्री और साहित्यकार अनिता भारती ने की। कार्यक्रम की संयोजिका अनिता भारती ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य सावित्रीबाई फुले के शिक्षा, समानता और स्त्री अधिकारों से जुड़े विचारों को समकालीन संदर्भ में समझना और उन्हें व्यापक समाज तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि आज भी सावित्रीबाई फुले के विचार समाज को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। यह सम्मेलन ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया तथा फेसबुक पर लाइव प्रसारित किया गया।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से साहित्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और विचार-विमर्श में सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। सम्मेलन के आगामी सत्रों में भी सावित्रीबाई फुले के जीवनसंघर्ष विचारों और उनके सामाजिक संघर्षों पर विस्तृत रूप से चर्चा की जाएगी।

जल जीवन मिशन के तहत वर्कर्स को दिए गए सुरक्षा नियमों के संदेश

बिजनौर (सब का सपना):- शहर में भारत की जीत के बाद मनाए जा रहे जश्न के बीच माहौल बिगाड़ने की कोशिश का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो शहर के एसआरएस मॉल के पास का है, जहां कुछ युवकों ने एक युवक को पकड़कर उससे जबरन नारे लगवाने की कोशिश की और उसके साथ मारपीट करने का प्रयास किया। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कुछ लड़कों ने सिर पर टोपी लगाए एक युवक को घेर लिया और उससे जबरन भारत माता की जयह्व के नारे लगाने के लिए दबाव बनाया। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों

में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि इसी बीच समाजसेवी अशोक आर्य मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करते हुए युवक को उन लड़कों से बचाया। घटना का वीडियो किसी ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद शहर में इस घटना को लेकर चर्चा शुरू हो गई है और कई लोग इसे आपसी सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश बता रहे हैं। सूत्रों के अनुसार वायरल वीडियो पुलिस तक भी पहुंच गया है। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है और वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट किया है और इसे डीआईजी कार्यालय तथा मुख्यमंत्री कार्यालय को भी भेजा गया है। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि शहर का माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले इन असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस क्या कार्रवाई करती है।

बुढानंगला में रविदास चबूतरा तोड़े जाने का आरोप, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम बुढानंगला में संत शिरोमणि रविदास जी के झंडे और चबूतरे को जेसीबी से तुड़वाने का आरोप लगाते हुए अनुसूचित जाति के ग्रामीणों ने धामपुर तहसील पहुंचकर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने महिलाओं सहित दर्जनों लोगों के साथ उपजिलाधिकारी धामपुर को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार विजय कुमार को सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम समाज की भूमि पर वर्ष 2007 से संत रविदास जी का झंडा और चबूतरा स्थापित था, जहां करीब 20 वर्षों से नियमित रूप

से पूजा-पाठ किया जा रहा था। उसी स्थान पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति भी स्थापित है और यह स्थल ग्रामीणों की आस्था से जुड़ा हुआ है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार 9 मार्च को गांव के कुछ लोगों ने जेसीबी मशीन की मदद से चबूतरा और झंडा तुड़वा दिया, जिससे ग्रामीणों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस घटना को लेकर गांव में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने शिकायत में महेंद्र सिंह, वीर सिंह, नन्हें, कमल, विनीत, अमित कुमार, कुलदीप और मनोज सहित कई लोगों पर घटना में शामिल होने का आरोप लगाया है। पीड़ित पक्ष का यह भी आरोप है कि विरोध करने पर उनके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया। ज्ञापन देने वालों में करन सिंह, घनश्याम सिंह, राजू, विक्रम सिंह, अनुज, चमन सिंह, धर्मेन्द्र सिंह और गुड्डू सिंह सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप, शिवसेना ने दी आंदोलन की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- शिवसेना बिजनौर की एक बैठक बसंती देवी धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पंडित नरेश शर्मा ने की, जबकि संचालन डॉ. दिनेश ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए शिवसेना के जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह ने चांदपुर तहसील क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य में अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जेपी स्कूल से फादर सन स्कूल तक करीब छह किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण होना था, लेकिन

विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से ठेकेदार ने सड़क किनारे की मिट्टी खोदकर बेच दी। उन्होंने बताया कि सड़क के दोनों ओर करीब तीन-तीन फीट गहरे गड्ढे हो गए हैं। करीब 32-33 महीने से यह कार्य अधूरा पड़ा है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और कई लोगों की जान जा चुकी है। इसको लेकर क्षेत्र की जनता में भारी रोष है। जिला प्रमुख ने कहा कि इस मामले को लेकर शिवसेना की ओर से कई बार धरना-प्रदर्शन भी किया गया, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो शिवसेना कार्यकर्ता मुरादाबाद में डीआईजी और मंडलायुक्त कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। बैठक में जिला उप प्रमुख मुकेश लांबा, संदीप बिल्ला, पुलकित त्यागी, प्रेम कुमार, दीपक देशवाल, भूपेंद्र कुमार सहित अन्य शिवसैनिक मौजूद रहे।

संभल में बिना अनुमति लगाई डॉ. आंबेडकर प्रतिमा, हटाने पर ग्रामीणों का विरोध और धक्कामुक्की

संभल। बनियाठेर थाना क्षेत्र के गांव बेरीखेड़ा में शुक्रवार की रात बिना अनुमति डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा लगा दी गई। सूचना पर सोमवार की शाम प्रतिमा हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासनिक टीम को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। महिलाओं ने पुलिस प्रशासन से धक्कामुक्की की। पुलिस ने सख्ती दिखाई और प्रतिमा हटवा दी। इस दौरान महिलाओं ने आक्रोश व्यक्त किया। साथ ही प्रशासन पर भेदभाव करने का आरोप लगाया। इस संबंध में हल्का लेखपाल ने ग्रामीणों के खिलाफ तहरीर दी है। प्रतिमा को सुरक्षित स्थान पर रखवाया गया है। बनियाठेर थाना क्षेत्र में बेरीखेड़ा गांव के बाहरी छोर पर शुक्रवार की रात कुछ लोगों ने राजपाल के घर के बाहर डा. आंबेडकर की प्रतिमा लगा दी। सोमवार की दोपहर प्रशासन को इसकी जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया। मौके पर बनियाठेर थाना पुलिस के अलावा तहसील की टीम पहुंच गई। यहां टीम ने प्रतिमा हटवाने का प्रयास किया तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए। महिलाओं ने धक्कामुक्की कर दी। सूचना पर कुछ देर बाद एसडीएम आशुतोष तिवारी और सीओ दीपक तिवारी भी गांव पहुंच गए। उन्होंने प्रतिमा हटाने का विरोध कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मानें, बल्कि विरोध करते रहे। इसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाई और अन्य ग्रामीणों की मदद से प्रतिमा को मौके से हटवाकर सुरक्षित स्थान पर भिजवा दिया। यहां महिलाओं प्रतिमा हटने के काफी बाद तक हंगामा करती रही। एसडीएम ने ग्रामीणों से कहा कि प्रतिमा लगाने के लिए प्रशासन से अनुमति लें, उन्हें कोई एतराज नहीं है, लेकिन बिना अनुमति के प्रतिमा नहीं लगानी दी जाएगी।

नहर में कूदे व्यक्ति की पहचान, तलाश में जुटी पुलिस व रेस्क्यू टीम

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम नरावली स्थित पोषक नहर पुल से नहर में कूदने वाले व्यक्ति की पहचान हो गई है। प्रारंभ में अज्ञात बताए जा रहे व्यक्ति की पहचान उसके पुत्र ने रामचरण सिंह (55) पुत्र स्व. गुलाब सिंह निवासी ग्राम मीरपुर थाना स्योहारा के रूप में की है। पुलिस और रेस्क्यू टीम नहर में उसकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार सोमवार शाम करीब 5:45 बजे डायल-112 के माध्यम

से सूचना मिली कि एक व्यक्ति नरावली पुल से पोषक नहर में कूद गया है। सूचना मिलते ही थाना स्योहारा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि उक्त व्यक्ति साइकिल से ग्राम बुढ़नपुर की ओर से नहर पटरी के रास्ते आया था। नरावली पुल के पास उसने अपनी साइकिल खड़ी कर दी और वहां बैठकर शराब पीने लगा। कुछ देर बाद अचानक उसने पोषक नहर में छलांग लगा दी। पुलिस को मौके से उसकी साइकिल और चप्पलें बरामद हुई हैं। बाद में साइकिल और चप्पलों के आधार पर उसके पुत्र अभिषेक ने उसकी पहचान रामचरण सिंह के रूप में की। घटना की सूचना मिलते ही फ्लड/रेस्क्यू टीम और स्थानीय गोताखोरों को मौके पर बुलाया गया। पुलिस व गोताखोरों की टीम नहर में लगातार व्यक्ति की तलाश कर रही है।

तमंचे के साथ रील बनाते युवक का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में अवैध हथियारों के साथ रील बनाने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक युवक का तमंचा लहराते हुए वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो थाना मंडावर क्षेत्र के गांव रावली का है। वीडियो में अक्षय नाम का युवक हाथ में अवैध तमंचा लेकर रील बनाते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में वह तमंचे का प्रदर्शन करता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद लोगों में चिंता जताई जा रही है कि युवाओं में अवैध हथियारों के प्रदर्शन का चलन बढ़ता जा रहा है। हालांकि

समाचार लिखे जाने तक इस मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई थी। यह मामला रावली गांव, थाना मंडावर क्षेत्र का बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि युवाओं में गलत संदेश न जाए। वहीं पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। यदि वीडियो की पुष्टि होती है तो संबंधित युवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोडल अधिकारी की कार्रवाई से हड़कंप,आठ चिकित्सकों के लाइसेंस होंगे निरस्त

एक पैथोलॉजी लैब समेत 12 नर्सिंग होम संचलाको को नोटिस, डॉ प्रमोद देशवाल अलर्ट

बिजनौर/नगीना।(सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर नोडल अधिकारी डॉक्टर प्रमोद देशवाल ने तीन विभागों की संयुक्त टीम के साथ क्षेत्र में चल रहे नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी लैब पर छापामारी कर उन्हें नोटिस देते हुए अपनी आंख्या रिपोर्ट सीएमओ डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह को भेजी है। इस दौरान चार नर्सिंग होम अपना अपना नर्सिंग होम बंदकर फरार भी हुए।नोडल अधिकारी डॉ प्रमोद देशवाल ने एक पैथोलॉजी लैब समेत 12 नर्सिंग होम संचलाको को नोटिस जारी कर दस्तावेज के साथ कार्यालय आने को कहा है। इस कार्रवाई से नगर के झोलाछाप चिकित्सकों में हड़कंप है। जानकारी के मुताबिक डीएम जसजीत कौर के आदेश पर सोमवार को एसडीएम विजय शंकर की देखरेख में क्षेत्र के तेजतर्रार नोडल अधिकारी डॉ प्रमोद कुमार देशवाल ने नायब तहसीलदार राजकुमार, अजब सिंह राणा सहित तीनों विभागों की टीम के साथ बढ़ापुर रोड स्थित आईजेबी चैरिटेवल हॉस्पिटल, नहटौर रोड स्थित मुदित नर्सिंग होम, लव अस्पताल, लीलावती अस्पताल, अलका हैल्थ केयर सेंटर, डॉ कौशिक का आशीर्वाद अस्पताल, रौनक नर्सिंग होम, एसडीएम कोर्ट के निकट जेके अस्पताल, बढ़ापुर रोड स्थित डॉक्टर जुबेर क्लिनिक, अथर हुसैन का नोवल अस्पताल,

हरेवाली रोड स्थित नर्सिंग होम व फहीम पैथोलॉजिक लैब पर छापेमारी की गई, इसमे से कुछ नर्सिंग होम संचालक अपना-अपना नर्सिंग होम बंदकर मौके से फरार हो गए। फहीम पैथोलॉजी लैब का संचालक भी अपनी लैब बंद कर फरार हो गया। उधर नोडल अधिकारी डॉक्टर प्रमोद देशवाल ने बताया कि तहसील प्रशासन व पुलिस टीम के साथ नगर के उपरोक्त नर्सिंग होम व पैथोलॉजी लैब पर छापामारी की, जिनमें से चार नर्सिंग होम और एक लैब का संचालक फरार हो गए, शेष नर्सिंग होम संचालकों को तीन दिन का अल्टीमेटम देते हुए नोटिस जारी किए हैं, उन्होंने बताया कि सभी नर्सिंग होम व पैथोलॉजी लैब संचालको को अपने अपने दस्तावेज लेकर कार्यालय उपस्थित होने को कहा गया है। सूत्रों की माने तो 8 चिकित्सकों के रजिस्ट्रेशन / लाइसेंस निरस्त होंगे। ज्ञात रहे कि की डीएम के आदेश पर सोमवार को झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ चले अभियान के मामले में नोडल अधिकारी डॉक्टर प्रमोद कुमार देशवाल ने एक दर्जन चिकित्सकों की आख्या रिपोर्ट बनाकर सीएमओ डॉ कौशलेंद्र सिंह को सौंप दी है। डॉ प्रमोद देशवाल ने बताया कि सीएमओ के निर्देश पर अगली कार्रवाई की जाएंगी।

sab ka sapna 11 March 2026:Layout 1 10-03-2026 21:19 Page 6

दिल्ली में गर्मी की शुरूआत के साथ आग का कहर, अग्निशमन को हर दिन मिल रही 44 कॉल; ढाई महीने में 15 लोगों की मौत

दिल्ली में गर्मी बढ़ने के साथ आग लगने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। 1 जनवरी से 9 मार्च तक 2,988 कॉल मिलीं, जिनमें 15 लोगों की मौत हुई। पिछले साल की तुलना में यह वृद्धि

नई दिल्ली। राजधानी में गर्मी शुरू होते ही आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। दिल्ली फायर सर्विस के डेटा के मुताबिक, इस साल 1 जनवरी से 9 मार्च तक फायर डिपार्टमेंट को आग लगने की 2,988 कॉल मिलीं, यानी हर दिन औसतन लगभग 44 कॉल। मौतों की संख्या में बढ़ोतरी चिंता की बात इन घटनाओं में 15 लोगों की जलने से मौत हो गई, जबकि फायरफाइटर्स ने 93 अन्य को बचाया। डेटा के मुताबिक, पिछले साल के पहले दो महीनों में फायर डिपार्टमेंट को आग लगने की 2,014 कॉल मिलीं, जिनमें आठ लोगों की जलने से मौत हो गई। इस साल घटनाओं और मौतों की संख्या में बढ़ोतरी चिंता की बात है। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, हाल ही में होली के दिन सदर बाजार के 12 टूटी चौक पर स्थित पांच मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। इस घटना में दो मजदूरों की जलने से मौत हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर फंसे लोगों को निकलने का मौका भी नहीं मिला। रिठाला इलाके में भीषण आग फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उसी दिन बाहरी दिल्ली के रिठाला इलाके में भीषण आग लग गई। सौ से ज्यादा झोपड़ियों में आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में एक टीनेजर की मौत हो गई, जबकि कई परिवारों का सामान जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे गर्मी के मौसम में बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल सावधानी से करें और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आग से बचाव के तरीके अपनाएं। गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ने के मुख्य कारण गर्मियों में लोग एयर कंडीशनर, कूलर, पंखे और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, जिससे वायरिंग पर लोड बढ़ता है और शॉर्ट सर्किट का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा तापमान की वजह से गैस सिलेंडर, पेट्रोल, केमिकल या दूसरी आग पकड़ने वाली चीजों का प्रेशर बढ़ जाता है, जिससे लीकेज या धमाके का खतरा बढ़ जाता है। गर्मी के मौसम में तापमान बहुत ज्यादा हो जाता है। इससे कागज, लकड़ी, प्लास्टिक और कपड़े जैसी आग पकड़ने वाली चीजें जल्दी आग पकड़ लेती हैं।

'पीएम मोदी की मजबूरियों से देश, कमर्शियल एलपीजी संकट पर केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पड़े असर के बीच देश में कमर्शियल एलपीजी को लेकर पैदा हुए संकट पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देशभर में शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर बाकी सभी कमर्शियल संस्थानों को एलपीजी गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है। उनके मुताबिक अब गैस केवल घरेलू उपयोग के लिए दी जाएगी। स्थिति और बिगड़ने की आशंका जताई उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए आने वाले समय में गैस और तेल की स्थिति औ बिगड़ने की आशंका है। केजरीवाल ने अपने पोस्ट में पीएम मोदी पर तंज कसते हुए यह भी कहा कि, प्रधानमंत्री की कुछ मजबूरियों के चलते उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने झुकना पड़ रहा है और क्या आज देश उसी की सजा भुगत रहा है।

आबकारी घोटाला केसः ईडी की याचिका पर दिल्ली एचसी का नोटिस, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया से मांगा जवाब

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में ईडी की याचिका पर मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपितों से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने केजरीवाल-सिसोदिया सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि ईडी को लेकर ट्रायल कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियां सामान्य हैं। टिप्पणी हटाने की मांग ईडी ने आरोपितों को आरोप मुक्त करते हुए ट्रायल कोर्ट द्वारा निर्णय में जांच एजेंसी को लेकर की टिप्पणी को हटाने की मांग की है। कोर्ट ने एजेंसी की जांच पर सवाल उठाते हुए तल्ख टिप्पणी की हैं। वहीं, दूसरी तरफ सीबीआइ की याचिका पर सोमवार को हाई कोर्ट ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियां प्रथम दृष्टया गलत हैं।

सीबीएसई क्लास 12 मैथ्स पेपर का क्यूआर कोड बना ड्रामा! स्कैन करने पर रिक एस्टली का गाना खुला, बोर्ड ने दी सफाई

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने क्लास 12 मैथ्स एग्जाम के क्वेश्चन पेपर पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद यूट्यूब पर एक रैप गाने का वीडियो दिखने के बाद सफाई जारी की है। सिक्योरिटी से कोई समझौता नहीं बोर्ड के एग्जामिनेशन कंट्रोलर डॉ. संयम भारद्वाज ने साफ किया कि क्वेश्चन पेपर पूरी तरह से असली है और इसकी सिक्योरिटी से कोई समझौता नहीं किया गया है। सीबीएसई के मुताबिक, क्लास 12 मैथ्स का एग्जाम 9 मार्च को हुआ था। एग्जाम के बाद, क्वेश्चन पेपर की तस्वीरें ऑनलाइन सामने आईं, जिसमें कुछ स्टूडेंट्स ने दावा किया कि क्वेश्चन पेपर पर क्यूआर कोड स्कैन करने पर यूट्यूब पर ब्रिटिश सिंगर रिक एस्टली के 1987 के मशहूर गाने, "नेवर गोना गिव यू अप" का वीडियो खुल गया। इससे स्टूडेंट्स और पेरेंट्स के बीच क्वेश्चन पेपर के असली होने को लेकर चिंता बढ़ गई। क्वेश्चन पेपर में क्यूआर कोड समेत कई सिक्योरिटी फीचर्स सीबीएसई अधिकारियों के मुताबिक, क्वेश्चन पेपर में क्यूआर कोड समेत कई सिक्योरिटी फीचर्स दिए गए हैं। इनका इस्तेमाल किसी भी शक की स्थिति में क्वेश्चन पेपर के असली होने को वेरिफाई करने के लिए किया जाता है। बोर्ड ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और यह पक्का करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो।

दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर मोबाइल झपटमारी के बाद हादसा, बदमाश के पीछे भागे युवक की ट्रेन से कटकर मौत

पूर्वी दिल्ली। शाहदरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के साथ लगातर खिलवाड़ हो रहा है। पुलिस की नाक के नीचे बदमाश वारदात को अंजाम दे रहे हैं। सोमवार शाम ट्रेन के इंतजार में बैठे युवक से बदमाशों ने मोबाइल झपट लिया। बदमाश को पकड़ने के लिए जब युवक भागा तो वह ट्रेन की चपेट में आ गया और मौत हो गई। मोबाइल लेकर बदमाश भाग गया। मृतक की पहचान बबलू के रूप में हुई है। एक सप्ताह में दूसरी वारदात इसी तरह की एक सप्ताह में यह दूसरी वारदात है बबलू अपने परिवार के साथ बागपत के धनोरा गांव के रहने वाले थे। वैशाली में भेल कंपनी में सफाई कर्मचारी थे। मृतक के जीजा राहुल सोलंकी ने बताया कि सोमवार शाम को बबलू ड्यूटी से घर लौट रहा था। शाम पांच बजे वह ट्रेन के इंतजार में शाहदरा रेलवे स्टेशन पर बैठा हुआ था। तभी एक बदमाश आया और मोबाइल झपट कर रेलवे ट्रेक पर भाग गया। बबलू उसके पीछे भागा, तभी ट्रेन आ गई और वह उसकी चपेट में आ गया। पुलिस ने जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कश्मीरी गेट आईएसबीटी पर दुकान खोलने का सुनहरा मौका, दिल्ली सरकार ने बनाया खास प्लान

नई दिल्ली। रेवेन्यू बढ़ाने की कोशिश में, दिल्ली ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन डीटीआईडीसी सबसे बिजी कश्मीरी गेट आईएसबीटी के अंदर कमर्शियल एक्टिविटीज की इजाजत देने का प्लान बना रहा है।कमर्शियल जगहों को दो साल के लाइसेंस पीरियड के लिए लीज पर दिया जाएगा। बस टर्मिनल पर लगभग 20 जगहों की पहचान की गई है जिनका इस्तेमाल रिटेल दुकानों, सर्विस आउटलेट और सुविधा स्टोर के लिए किया जा सकता है। सरकार के मुताबिक, रेवेन्यू बढ़ाने और बेहतर पैसेंजर सुविधाएं देने की अपनी कोशिशों के तहत, डीटीआईडीसी आईएसबीटी कश्मीरी गेट पर खाली जगहों का इस्तेमाल अलग-अलग कमर्शियल एक्टिविटीज के लिए करना चाहता है। आईएसबीटी कश्मीरी गेट दिल्ली के सबसे बिजी बस टर्मिनल में से एक है, जहां रोजाना पैसेंजर ट्रैफिक बहुत ज्यादा होता है। कंपनियों को बुलाने के लिए एक टेंडर जारी टर्मिनल अच्छी लोकेशन पर है और मेट्रो, सड़कों और ट्रांसपोर्ट के दूसरे साधनों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। डीटीआईडीसी ने इस पहल में हिस्सा लेने के लिए कंपनियों को बुलाने के लिए एक टेंडर जारी किया है। डीटीआईडीसी अधिकारियों के मुताबिक, आने-जाने वालों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अलग-अलग कमर्शियल जगहों को डेवलप और ऑपरेट किया जाएगा। जगहें जैसी हैं वैसी ही दी जाएंगी, जिनका ऑपरेशन और मेंटेनेंस चुना हुआ लाइसेंसी ही करेगा। डीटीआईडीसी शुरू में दो साल के लिए लाइसेंस जारी करेगा, और काम पूरा होने पर उन्हें एक और साल के लिए बढ़ाने का ऑप्शन होगा। अधिकारी ने बताया कि पहचाने गए 20 बस बे में से हर एक में लगभग 60 स्क्वेयर फीट किराए पर देने लायक जगह है, जिसका रिजर्व प्राइस 800 प्रति स्क्वेयर फीट प्रति महीना है। कमर्शियल एक्टिविटीज पर पूरी तरह से बैन यान दें कि लगभग दो साल पहले, कश्मीरी गेट आईएसबीटी के दौरे के दौरान, लेफ्टिनेंट गवर्नर वी.के. सक्सेना ने खाने-पीने की दुकानों पर गंदगी देखकर आईएसबीटी के अंदर कमर्शियल एक्टिविटीज पर पूरी तरह से बैन लगा दिया था। अभी, आईएसबीटी के अंदर खाने-पीने की दुकानों सहित कोई दुकान नहीं है। हालांकि इससे आने-जाने वालों को थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन गंदगी की समस्या पूरी तरह से हल हो गई है। डीटीआईडीसी अब वहां कैंटीन और दूसरी कमर्शियल एक्टिविटीज फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है।

दिल्लीवालों के लिए गुड न्यूजः एमसीडी का नया पोर्टल लॉन्च, अब ऑनलाइन बुक करें मलबा पिक-अप और क्लीनिंग

नई दिल्ली। राजधानी में जगह-जगह मलबा काफी समय से पड़े रहने की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए एमसीडी ने मलबा पोर्टल शुरू किया है। महापौर राजा इकबाल सिंह ने निगमायुक्त संजीव खिरवार और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में अपने कार्यालय में इस पोर्टल का शुभारंभ किया। नगर निगम क्षेत्र में पड़े निर्माण एवं विध्वंस कचरे (मलबा) का संग्रहण भी सुव्यवस्थित किया जा सकेगा, बल्कि इससे संबंधित शिकायतों का निपटान भी होगा। कैसे काम करता है पोर्टल निगम के अनुसार, चाहे वह आम नागरिक हों, डेवलपर्स, ठेकेदार या सरकारी एजेंसियां यह पोर्टल हर किसी को एक सरल ऑनलाइन इंटरफेस या क्यूआर कोड के माध्यम से मलबा उठाने के लिए अनुरोध दर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है। पहले लोगों को मलबा उठवाने के लिए पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। उसके बाद एमसीडी से अधिकृत वाहन उस मलबे को उठाएगे। मलबा उठाकर रिसाइकिल प्लांट पर भेजा जाएगा। क्या है इस पोर्टल का उद्देश्य महापौर ने कहा कि यह पोर्टल केवल एक तकनीकी साधन नहीं, बल्कि स्वच्छ व हरित दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक मजबूत प्रतिबद्धता है। मलबा प्रबंधन को डिजिटाइज करके हम नागरिकों को प्रदूषण नियंत्रण व सतत विकास में भागीदारी के लिए सशक्त बना रहे हैं। अवैध रूप से मलबा फेंके जाने से हमारी सड़कों और नदियों पर जो दबाव पड़ता है, यह पहल उसे कम करने में सहायक होगी और हमें राष्ट्रीय नियमों के अनुरूप आगे बढ़ने में मदद करेगी। किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए नागरिक दिल्ली नगर निगम के टोल-फ्री नंबर 155305 पर संपर्क कर सकते हैं।

दिल्ली के खेड़ा खुर्द में नहर किनारे खड़ी कार से मिले दो शव, दम घुटने से मौत की आशंका

बाहरी दिल्ली। बाहरी उत्तरी दिल्ली के खेड़ा खुर्द इलाके में सड़क किनारे खड़ी एक कार के अंदर दो लोगों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कार से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया। शुरूआती जांच में दम घुटने से मौत की आशंका जताई जा रही है। कार में मिले शराब के पाउच पुलिस के अनुसार, थाना एनआईए क्षेत्र में मंगलवार को सूचना मिली कि सड़क किनारे नहर के पास खड़ी एक कार के अंदर दो लोग पड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां एक सफेद रंग की ऑरा कार (नंबर यूपी-27 सीटी-7719) खड़ी मिली, जिसकी खिड़कियां बंद थीं और कार लॉक नहीं थी। पुलिस ने जब कार की जांच की तो अंदर से बदबू आ रही थी। कार के अंदर दो लोग बैठे हुए मृत अवस्था में मिले। कार के भीतर शराब के तीन पाउच भी मिले, जिनमें दो सील बंद और एक खुला हुआ था। मृतकों की पहचान जांच में कार से मिले शवों की पहचान 42 वर्षीय विकास पुत्र स्वर्गीय घनपत राय निवासी अंबेडकर कॉलोनी, खेड़ा खुर्द के रूप में हुई है, जो पेशे से ड्राइवर था। उसका शव ड्राइविंग सीट पर मिला। वहीं दूसरा शव 36 वर्षीय बिजेंद्र उर्फ भोला पुत्र दिलबाग निवासी गली नंबर-2, अंबेडकर कॉलोनी, खेड़ा खुर्द का है, जो पेशे से प्लंबर था और कार की पिछली सीट पर मिला। जांच में सामने आया है कि यह कार अंबेडकर कॉलोनी निवासी राकेश कुमार (49) के नाम पर है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर का रहने वाला है और यहां किराये पर रहता है। सोमवार की दोपहर से खड़ी थी कार स्थानीय पूछताछ और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच में पता चला है कि यह कार सोमवार दोपहर करीब दो बजे से उसी स्थान पर खड़ी थी और उसके बाद कोई भी व्यक्ति कार के अंदर जाता या बाहर निकलता दिखाई नहीं दिया। मौके पर क्राइम टीम को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया। पुलिस के अनुसार दोनों शवों पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल दम घुटने से मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच में किसी साजिश या आपराधिक पहलू के संकेत नहीं मिले हैं। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

दिल्ली में देर रात एनकाउंटरः बवाना उद्यमी हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार, 12 राउंड चली गोलियां

बाहरी दिल्ली। शाहबाद डेरी इलाके में सोमवार देर रात बवाना के एक उद्यमी की हत्या के मामले में फरार आरोपितों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में पुलिस ने दो बदमाशों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों की पहचान मोहम्मद इरफान और ऐश्वर्य पांडेय के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपितों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी और मौके से भागने की कोशिश करने लगे। दोनों ओर से चलीं 11-12 राउंड फायरिंग जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। दोनों ओर से करीब 11 से 12 राउंड गोलियां चलीं। इस दौरान एक गोली पुलिस के एक जवान की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जिससे वह बाल-बाल बच गया। मुठभेड़ के दौरान दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें काबू कर लिया। घायल आरोपितों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जनकपुरी हादसाः गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत के मामले में एक्शन, फरार कॉन्ट्रैक्टर उदयपुर से गिरफ्तार

नई दिल्ली। जनकपुरी में खुले सीवर के गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पश्चिमी दिल्ली की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वायड (एएटीएस) की टीम ने मुख्य फरार आरोपी कॉन्ट्रैक्टर हिमांशु गुप्ता को राजस्थान के उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वहां छिपा हुआ था। पुलिस उसे दिल्ली ला रही है, जहां आगे की पूछताछ की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। उसकी तलाश में कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही थी। इसी बीच पुलिस ने उसे उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया। क्या है पूरा मामला जनकपुरी इलाके में 5-6 फरवरी की मध्य रात दिल्ली जल बोर्ड के एक खुले करीब 20 फीट गहरे सीवर गड्ढे में गिरकर 25 वर्षीय कमल ध्यानी की मौत हो गई थी। कमल बाइक से गुजर रहे थे, तभी अंधेरे में उन्हें गड्ढा दिखाई नहीं दिया और वह उसमें गिर गए। बताया गया कि मौके पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और गड्ढा खुला हुआ था। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने लापरवाही का आरोप लगाया था। मामले में पुलिस ने संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान मुख्य कॉन्ट्रैक्टर हिमांशु गुप्ता का नाम सामने आया, जिसके बाद से वह फरार चल रहा था। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे पूछताछ कर यह जानने की कोशिश करेगी कि सुरक्षा इंतजाम क्यों नहीं किए गए थे।

दो दशक में दूसरी बार... दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में मार्च में देखने को मिली धुंध, थमी वाहनों की रफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर भारत में मार्च का महीना आमतौर पर चटक धूप और बढ़ती गर्मी के लिए जाना जाता है, लेकिन इस साल मौसम के मिजाज ने सबको हैरान कर दिया है। आज सुबह दिल्ली-एनसीआर, मेरठ, हापुड़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्से घने स्मॉग नजर आए। सड़कों पर विजिबिलिटी इतनी कम रही कि यमुना एक्सप्रेस-वे समेत कई राजमार्गों पर वाहनों की रफ्तार थम गई। 2008 की यादें हुई ताजा<भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मार्च के महीने में इस तरह का घना कोहरा कोई पहली बार नहीं देखा गया है। मौसम विभाग ने साल 2008 का उदाहरण देते हुए बताया कि 6 से 8 मार्च के बीच भी ऐसी ही भीषण स्थिति बनी थी। उस वक्त कोहरे के कारण उत्तर भारत की पावर ट्रांसमिशन लाइनें फेल हो गई थीं, जिससे बड़ा बिजली संकट पैदा हो गया था। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस बार अभी तक किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। कोहरे के पीछे का वैज्ञानिक कारण मौसम वैज्ञानिकों ने इस 'बेमौसम' बदलाव के पीछे किसी चमत्कार के बजाय ठोस भौगोलिक कारणों को जिम्मेदार ठहराया हैः- पश्चिमी विक्षोभः हिमालयी क्षेत्रों में सक्रिय विक्षोभ के कारण मैदानी इलाकों में हवाओं का रुख बदला है। नमी का भारी प्रवेशः पिछले दिनों हुई हल्की बूंदाबांदी और निचले वायुमंडल में स्थिर 'बाउंड्री लेयर' की वजह से नमी संघनित होकर घने कोहरे में बदल गई। तापमान में गिरावटः रात के समय तापमान गिरने और पूर्वी हवाओं के संगम ने 'दिसंबर जैसी' धुंध की स्थिति पैदा कर दी। ईरान-इजरायल युद्ध का कनेक्शनः अफवाह या हकीकत? इंटरनेट मीडिया पर इस कोहरे को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। कुछ नेटिजन्स इसे ईरान-इजरायल युद्ध में इस्तेमाल हो रहे हथियारों और रसायनों के धुएं से जोड़ रहे हैं। उनका तर्क है
कि युद्ध के कारण वैश्विक जलवायु प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों की रायः रक्षा और पर्यावरण विशेषज्ञों ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हजारों किलोमीटर दूर चल रहे युद्ध के धुएं का उत्तर भारत के स्थानीय मौसम पर ऐसा असर पड़ना वैज्ञानिक रूप से संभव नहीं है। यह विशुद्ध रूप से एक स्थानीय मौसमी घटना है।

दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय हेरोइन सिंडिकेट का किया भंडाफोड़, तीन तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने एक इंटरस्टेट नारकोटिक्स सिंडिकेट के तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। सिंडिकेट के सदस्य हेरोइन बनाकर उसे बरेली, शामली और सहारनपुर समेत दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करते थे। यह गैंग बहुत ऑर्गनाइज्ड तरीके से काम करता था। उनके पास से ड्ढ2 करोड़ कीमत की एक किलोग्राम से ज्यादा हाई-क्वालिटी हेरोइन बरामद हुई। 22 फरवरी को मिली खुफिया जानकारी डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक, 22 फरवरी को खुफिया जानकारी मिली कि फईम बेग नाम का एक ड्रग तस्कर आनंद विहार रेलवे अंडरपास के पास एक बड़ी खेप पहुंचाने वाला है। एसीपी रमेश चंदर और इंस्पेक्टर मनमीत मलिक की टीम ने फईम बेग और कयूम खान को आनंद विहार रेलवे अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया। उनके पास से हेरोइन के दो पैकेट बरामद हुए, जिनमें से एक 101 ग्राम और दूसरा 601 ग्राम का था। इसके बाद 23 फरवरी को केस दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। फईम बेग ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह अपने गांव, पडेरा, बरेली (यूपी) में अपने साथियों से हेरोइन खरीदता था और उसे दिल्ली-एनसीआर, शामली और सहारनपुर में सप्लाई करता था। इस जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, क्राइम ब्रांच टीम ने और छापेमारी की और 27 फरवरी को सप्लायर आमिर खान को फतेहगंज ईस्ट, बरेली (यूपी) से गिरफ्तार कर लिया। उसकी जानकारी के बाद, उसके खेत से 301 ग्राम और हेरोइन बरामद की गई। 1.002 किग्रा हेरोइन बरामद सिंडिकेट के दूसरे सदस्यों और सप्लाई के मुख्य सोर्स की पहचान करने और उन्हें पकड़ने की कोशिशें चल रही हैं। पुलिस का कहना है कि तीनों के पास से 1.002 किग्रा हेरोइन बरामद की गई है। फईम बेग इज्जत नगर, बरेली का रहने वाला है। उसने शुरू में शामली और सहारनपुर में और बाद में दिल्ली-एनसीआर में हेरोइन सप्लाई की। फरीदपुर, बरेली का रहने वाला कयूम खान फईम बेग से हेरोइन खरीदकर सीमापुरी क्लस्टर इलाके में बेचता था। आमिर खान पडेरा फतेह गंज ईस्ट, बरेली का रहने वाला है। उसने शुरू में अपने सोर्स से हेरोइन खरीदी और फिर उसे कूरियर से सहारनपुर और बाद में दिल्ली-एनसीआर पहुंचाया। तीनों पहले भी तीन नारकोटिक्स केस में शामिल रहे हैं। वह पूरे सिंडिकेट का मास्टरमाइंड है।

sab ka sapna 11 March 2026:Layout 1 10-03-2026 21:19 Page 7

अमरोहा
बुधवार 11 मार्च 2026
www.sabkasapna.com
खेल
हिंदी दैनिक
सब का सपना 7

टी20 विश्व कप : 131 करोड़ से भी खुश नहीं भारतीय क्रिकेटर, कहा- इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद Board of Control for Cricket in India (BCCI) ने भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि की घोषणा की है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। हालांकि इस बड़ी घोषणा के बावजूद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए इनाम की राशि और अधिक होनी चाहिए थी।

बीसीसीआई ने किया 131 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए कुल 131 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की। भारतीय क्रिकेट में यह इनाम हाल के वर्षों में घोषित की गई सबसे बड़ी रकमों में से एक माना जा रहा है। बोर्ड ने यह फैसला टीम के शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धि को सम्मान देने के लिए लिया। इस जीत ने न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि भारतीय क्रिकेट की ताकत को भी एक बार फिर दुनिया के सामने साबित किया।

हरभजन सिंह को थी और ज्यादा उम्मीद

इनामी राशि की घोषणा के बाद पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए उन्हें इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी। हरभजन का मानना है कि जब कोई टीम इतने बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करती है और इतिहास रचती है, तो उसे मिलने वाला पुरस्कार भी उसी स्तर का होना चाहिए।हालांकि उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की खुलकर तारीफ की और कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में दबदबा बनाकर दुनिया को दिखा दिया कि भारतीय क्रिकेट कितनी मजबूत स्थिति में है।

भारत की ऐतिहासिक जीत

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद यादगार रहा। भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम कई नए रिकॉर्ड बनाने में सफल रही। भारत अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके अलावा भारत टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम भी बन गया।

तीसरी बार जीती टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी

इस जीत ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप

इतिहास की सबसे सफल टीमों में शामिल कर दिया। भारतीय टीम ने इससे पहले 2007 और 2024 में भी यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी। 2026 में मिली जीत के साथ भारत तीन बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गया। यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद गर्व का विषय है और इससे टीम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अर्शदीप के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

-फाइनल में कीवी बल्लेबाज की ओर फेंकी थी गेंद

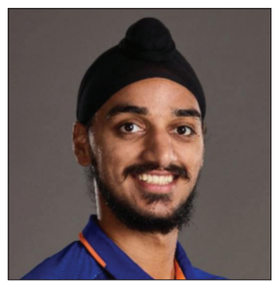

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है। अर्शदीप ने

टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर आक्रामक अंदाज में गेंद फेंकी थी जिससे शिकायत मिचेल ने अंपायर से भी की थी। आईसीसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।

फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने अपने दूसरे ओवर के दौरान गेंद को आक्रामक अंदाज में मिचेल की ओर फेंक दिया। यह गेंद सीधे मिचेल के कंधे पर जाकर लगी। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। मिचेल इस घटना से नाराज नजर आए और उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से शिकायत की। दोनों खिलाड़ियों के बीच स्थिति तनातनी बढ़ती देखकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच में आना पड़ा। उन्होंने किसी प्रकार से मामले को हल कराया। यह मामला आईसीसी आचार संहिता के तहत जांच के दायरे में आ सकता है। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा बल्लेबाज की ओर खतरनाक तरीके से गेंद फेंकी जाती है, तो इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है। ऐसे मामलों को आमतौर पर लेवल-1 अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में यदि अर्शदीप दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर मैच फीस का अधिकतम 50 फीसदी तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उनके खाते में एक या दो नकारात्मक अंक पॉइंट भी जोड़े जा सकते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, अगर किसी खिलाड़ी के खाते में 24 महीनों के भीतर चार नकारात्मक अंक जमा हो जाते हैं, तो उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को एक टेस्ट मैच या दो सीमित ओवरों के मैचों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए मैदान पर अनुशासन बनाए रखना चाहिये। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप ने खेल भावना दिखाते हुए मिचेल से माफी मांग ली। मिचेल ने भी उनकी माफी स्वीकार कर ली, जिससे मामला मैदान पर शांत हो गया। इसके बावजूद आईसीसी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकता है।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड की स्वदेश वापसी पर दी सफाई

-एयरस्पेस की उपलब्धता के आधार पर हुआ फैसला

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप के लिए भारत पहुंची वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड के स्वदेश लौटने पर लगे भेदभाव के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इसके पीछे एयरस्पेस और उड़ानों की उपलब्धता बड़ा कारण रही है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई यातायात प्रभावित होने से 20 विश्व कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान कुछ टीमें भारत में ही फंस गयी थी। इनमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल थी। 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने वाली वेस्टइंडीज और 4 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम काफी समय भारत में ही फंसी रही जबकि 5 मार्च को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड इनसे पहले स्वदेश लौट गयी। इससे विवाद खड़ा हो गया है और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर भेदभाव का आरोप लगा दिया है। इन टीमों ने इंग्लैंड के जल्दी स्वदेश लौटने पर सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी आईसीसी पर खास ध्यान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। आईसीसी टेबल पर किसी टीम का ताकतवर होना अहम नहीं होना चाहिए।

वहीं इस मामले में आईसीसी ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया। रवाना होने के क्रम पर फैसले सिर्फ एयरस्पेस की उपलब्धता, एयरक्राफ्ट रूटिंग अनुमति, वीजा की जरूरतों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिए गये। यह कहना कि टीमों को इन बाधाओं के अलावा किसी और वजह से प्राथमिकता दी गई है, सही नहीं है।

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। सूर्यकुमार ने कहा कि है भारतीय टीम की जीत का राज आक्रामक रवैया अपनाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि साल 2024 में मिली जीत के बाद से ही टीम आक्रामक अंदाज में खेलती आई है। सूर्या ने कहा कहा कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत का रात एकजुट होकर खेलना रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में बाधाएं आईं थीं पर , टीम ने सभी को हटाते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी और पूरे टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले एक महीने का सफर बेहद शानदार रहा है, हालांकि शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी हम चाहते थे पर खेल में ऐसा ही होता है। इस पूरे सफर में एक टीम के रूप में हमने काफी कुछ सीखा है। ऐसे में अब अगला लक्ष्य निश्चित रूप से ओलंपिक है, और उसके बाद होने वाला टी20 विश्व कप रहेगा।

सूर्या ने कहा कि पिछले विश्वप के बाद से ही टीम ने अधिक आक्रामक और आधुनिक शैली अपनाई, जिससे हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2024 में एक अलग तरह का क्रिकेट खेला और वहीं से हमें समझ आया कि इस टीम को आगे कैसे बढ़ना है, कैसे खेलना है। और तब से यह एक शानदार सफर रहा है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का मनोबल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मिली सफलता से बढ़ा जिससे उसकी रणनीति सही साबित हुई और इसके बाद से ही ये सिलसिला बढ़ता गया है। । उन्होंने आगे कहा कि हमने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जब जीती थी तब अलग तरह से क्रिकेट खेला और वहीं 2026 की जीत खास अंदाज में दर्ज की है।

इसलिए इस सिलसिले को बनाये रखना चाहिये।

इरफान पठान ने भारतीय टीम सफलता का श्रेय कोच और कप्तान को दिया

अहमदाबाद । पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम अभी विश्व की सीमित ओवरों के प्रारुप की सबसे अच्छी टीम है । पठान ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन दोनो ने ही टीम को यहां तक पहुंचाया है । पठान के अनुसार भारतीय टीम की लगातार सफलता के का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन है । उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम बेहद आत्मविश्वास के साथ खेल रही है । वहीं गंभीर ने खिलाड़ियों को सही भूमिका देकर टीम को संतुलित बनाया है ।

पठान ने यह भी कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत उनकी विनम्रता है । वे टीम की सफलता का श्रेय हमेशा खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को देते हैं, जिससे टीम का माहौल सकारात्मक बना रहता है और खिलाड़ी खुलकर प्रदर्शन करते हैं । पठान के अनुसार टीम निडर होकर खेलती है, कोच और कप्तान अपने खिलाड़ियों का समर्थन भी करते हैं । टीम कठिन फैसले भी लेती है ।

कृष्णा नागर को राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में दोहरी सफलता

हैदराबाद । पैरालंपिक चैंपियन कृष्णा नागर ने मंगलवार को यहां सातवीं सीनियर राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप के एसएच 6 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते । कृष्णा ने पुरुषों के एकल एसएच 6 फाइनल में सुदर्शन एमएस को 21-10, 21-19 से हराकर खिताब अपने नाम किया । कृष्णा ने इसके बाद मिश्रित एसए 6 वर्ग में नित्या श्री सुमति सिवन के साथ मिलकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक मेडल जीता । इस जोड़ी ने सुदर्शन एमएस और श्रेया कुमारी को 21-7, 21-11 से हराया । एसएच 6 पैरा बैडमिंटन में छोटे कद के खिलाड़ियों के लिए एक वर्ग है जो आमतौर पर बौनेपन जैसी स्थिति के कारण होता है ।

टी20 विश्वकप इतिहास में पांड्या सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने, युवराज दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है । पांड्या टी20 विश्वकप इतिहास में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं । पांड्या ने अब तक विश्वकप में कुल 34 छक्के लगाये हैं । इससे पहले ये रिकार्ड पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम था । युवराज ने कुछ 3 छक्के लगाये थे। अब पांड्या टी20 विश्वकप में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं युवराज दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। पांड्या ने इस बार विश्वकप में कुल 15 छक्के लगाये है। इससे पहले खेले गये टी20 विश्व कप में पांड्या ने कुल 19 छक्के लगाये थे । ये छक्के उन्होंने नंबर 4 से नंबर 7 तक बल्लेबाजी करते हुए लगाये थे । इस तरह कुल 34 छक्के उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए लगाये हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के नंबर 4 से लेकर नंबर 7 के बीच सबसे ज्यादा छक्के हैं । इस सूची में 33 छक्कों के साथ युवराज दूसरे स्थान पर हैं । वहीं इस सूची में तीसरे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल हैं, जिन्होंने 28 पारियों में 32 छक्के मध्यक्रम में लगाये हैं । वहीं सूर्यकुमार के नाम 31 छक्के हैं और वह चौथे नंबर पर हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ने 28 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं ।

महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर : भारत को सेमीफाइनल में जगह के लिए ड्रॉ की जरूरत

हैदराबाद(एजेंसी)। भारत को एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूल चरण के अपने अंतिम मैच में बुधवार को यहां वेल्स के खिलाफ कम से कम ड्रॉ हासिल करने की कोशिश करनी होगी। भारत फिलहाल पूल बी में दो मैचों में चार अंकों के साथ शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर मौजूद स्कॉटलैंड के भी चार अंक हैं, लेकिन भारत का गोल अंतर बेहतर है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और भारत को अगर-मगर के बिना अंतिम चार में पहुंचने के लिए ड्रॉ या जीत की आवश्यकता होगी।

भारतीय टीम इस मुकाबले में अगर हार का सामना करती है तो उसके चार अंक ही रहेंगे और उसका क्वालीफिकेशन स्कॉटलैंड और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच पर निर्भर करेगा। भारतीय महिला टीम का अब तक का अभियान शानदार रहा है। उसने आठ मार्च को

उरुग्वे पर 4-0 की बड़ी जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की और फिर सोमवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 2-2 से ड्रॉ खेला।

युवा फॉरवर्ड सुनेलिता टोप्पो बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने दोनों मैचों में गोल किए हैं। अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी लालरेम्सियामी, नवनीत कौर और रुतुजा दादासो पिसाल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल दागे हैं और गोल करने के कई मौके बनाए हैं। भारतीय रक्षापंक्ति भी मजबूत रही है। गोलकीपर बिचु देवी ने लगातार महत्वपूर्ण बचाव किए हैं। हैदराबाद में अपने घरेलू दर्शकों के उत्साह से भरे माहौल में खेलने से मेजबान टीम को जबरदस्त ऊर्जा मिली है। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे अब तक टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'शुरुआती दो मैचों के बाद टीम में सकारात्मक माहौल है। युवा खिलाड़ी मौके का पूरा फायदा उठा रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टीम बेहतरीन तरीके से खेल रही है और यह हमारे लिए बहुत अच्छी बात है।' टेटे ने कहा, 'हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं और चैंपियन बनना चाहते हैं। जब टीम एक साथ होती है तो हम इसी बारे में बात करते हैं और यही हमारा लक्ष्य है।'

वेल्स के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड शानदार है। भारत ने दोनों देशों के बीच छह मुकाबलों में से पांच में जीत दर्ज की है। वेल्स हालांकि इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए कड़ी टक्कर देगा, इसलिए भारत को अति आत्मविश्वास से बचते हुए एकाग्रता के साथ खेलना होगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें इस साल के अंत में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। दिन के अन्य मैचों में इंग्लैंड ऑस्ट्रिया से, इटली कोरिया से और स्कॉटलैंड उरुग्वे से भिड़ेगा।

चीनी ताइपे के खिलाफ हार के साथ भारत एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम मंगलवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के अपने आखिरी मैच में चीनी ताइपे से 1-3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय टीम को मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहने की भारी कीमत चुकानी पड़ी। मैच के बड़े हिस्से में हावी रहने और कई मौके बनाने के बावजूद भारतीय टीम को मौकों को भुनाने में नाकामी का खामियाजा भुगतना पड़ा और टीम पहली बार मेरिट के आधार पर इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के बाद जल्दी बाहर हो गई। भारत के लिए एकमात्र गोल मनीषा कल्याण ने 39वें मिनट में किया । इस विंगर ने लगभग 30 यार्ड की दूरी से दमदार शॉट लगाकर गोल दागा । चीनी ताइपे ने 12वें मिनट में बढ़त बनाई जब वाईएच सु ने गोल दागा। भारतीय गोलकीपर एलांगबाम पंथोई चानू विरोधी खिलाड़ी जेडब्ल्यू चेन को रोकने के लिए आगे बढ़ीं । चेन ने हालांकि चानू को छकाते हुए गेंद सु को दी जिन्होंने इसे गोल में पहुंचा दिया । भारत ने मनीषा के गोल से स्कोर बराबर किया लेकिन मध्यांतर से ठीक पहले (45+नौवें मिनट) वाईवाई सू का शॉट पोस्ट के कोने से टकराया और फिर चानू टकराकर गोल में चला गया । यह तब हुआ जब प्यारी खाखा ने बॉक्स के अंदर गेंद को हाथ लगा दिया और रैफरी ने 'हैंडल्ड द बॉल' के लिए पेनल्टी किक दी । चीनी ताइपे के लिए 77वें मिनट में यू चिन चेन ने तीसरा गोल दाग । भारत इससे पहले वियतनाम और जापान से हार चुका था और टूर्नामेंट के अगले चरण में पहुंचने के लिए उसे चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल से हराना था और वियतनाम पर जापान की जीत की उम्मीद करनी थी । जापान ने वियतनाम को 4-0 से हराया ।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले, बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्कप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया । हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये । वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है । हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले हैं, इसलिए हमें लगा कि बांग्लादेश दौरे में युवाओं को उतारना चाहिये । हेसन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि किसी को बाहर किया गया । हम केवल इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अपने को साबित करने का अवसर दे रहे हैं ।

लक्ष्य सेन थोड़े निराश, लेकिन अब ध्यान चोट से उबरने और बड़े टूर्नामेंटों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में मिली शिकस्त से 'थोड़े निराश' भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने स्वीकार किया है कि आधुनिक पुरुष एकल मुकाबलों की बढ़ती शारीरिक मांगों के कारण उन्हें अपनी रिकवरी (चोट और थकान से उबरने की प्रक्रिया) और तैयारी की रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। लक्ष्य दूसरी बार ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे।

उन्होंने बर्मिंघम में शारीरिक तौर पर थका देने वाले सप्ताह के दौरान कई कड़े और अधिक समय वाले मुकाबले खेले। उन्हें फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से हार का सामना करना पड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के इस 24 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'कुल मिलाकर यह सप्ताह अच्छा लेकिन भावनात्मक रहा। दूसरी बार फाइनल में पहुंचकर भी खिताब नहीं जीत पाना मैच के बाद थोड़ा निराशाजनक लगता है। पूरे टूर्नामेंट को देखें तो कुछ अच्छी जीत मिलीं, अच्छा अभियान रहा और जिस तरह मैंने मैच खेले, उससे आने वाले टूर्नामेंटों के लिए उम्मीदें बनी हैं।'

लक्ष्य ने इस सप्ताह कोर्ट पर पांच घंटे से अधिक समय बिताया। इसमें एक बेहद कठिन सेमीफाइनल भी शामिल था। इस मुकाबले में उन्हें गंभीर ऐंठन से जूझना पड़ा। इसके बाद फाइनल में उन्हें करीबी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने यह समझ और मजबूत की है कि टूर्नामेंट कार्यक्रम, रिकवरी और व्यवस्थित प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाना कितना जरूरी है।

इस युवा खिलाड़ी ने कहा, 'मैच और टूर्नामेंट अब बहुत ज्यादा शारीरिक हो गए हैं और उम्र के साथ भी फर्क पड़ता है। मेरा मतलब है कि अब मैं 20 साल का नहीं रहा कि उतनी तेजी से रिकवर कर सकूं। मैं यह नहीं कह रहा कि मेरी उम्र काफी बढ़ गयी है, लेकिन तैयारी, अगले मैचों के लिए रिकवरी और खासकर डाइट (आहार) को लेकर बदलाव करने पड़ते हैं। जब मैं 21-22 साल का था तो जो भी खाता था, उससे वजन नहीं बढ़ता था। लेकिन अब थोड़ा फर्क है और डाइट के प्रति ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है।'

लक्ष्य ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण 'वर्कलोड मैनेजमेंट (अभ्यास और टूर्नामेंट के चयन में सतर्कता)' भी बेहद अहम हो गया है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मुझे कंधे की कुछ चोटें भी लगीं, जिसका असर पड़ा। पहले मैं आक्रामक शॉट बेहतर खेल रहा था, लेकिन समय के साथ यह समझ आता है कि आप कितना जोर लगा सकते हैं, कितने मैच खेल सकते हैं और कब शरीर को आराम की जरूरत है।'

इस सत्र में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप और BWF विश्व चैंपियनशिप को प्रमुख आयोजन बताते हुए लक्ष्य ने कहा कि अब वह अपनी टीम के साथ मिलकर ऑल इंग्लैंड अभियान का विश्लेषण करेंगे। उन्होंने कहा, 'ये दोनों इस साल के बड़े टूर्नामेंट हैं जिनमें मैं खेलूंगा। मैं अपनी टीम के साथ बैठकर विस्तार से विश्लेषण करूंगा कि ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट कैसा रहा और पिछले कुछ महीनों में अभ्यास कार्यक्रम कैसा रहा।' लक्ष्य ने कहा, 'इसके बाद कोर्ट पर खास तौर पर अपने खेल को और बेहतर बनाने की कोशिश करूंगा और पूरे सत्र में फिट रहने पर ध्यान दूंगा क्योंकि आगे कई बड़े

टूर्नामेंट हैं।'

लक्ष्य ने मानसिक प्रशिक्षक मोन ब्रोकमैन को भी श्रेय दिया, जिनकी मदद से उन्हें अंतरराष्ट्रीय सर्किट के दबाव को बेहतर तरीके से समझने और संभालने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, 'करीब एक साल से मैं उनके साथ काम कर रहा हूं और मानसिक प्रशिक्षण के बारे में बहुत कुछ सीखा है। बड़े टूर्नामेंट में उतरने का नजरिया भी बदला है। बड़े टूर्नामेंट को अब अलग तरीके से देखता हूं, जबकि 500 या 300 स्तर के टूर्नामेंट अक्सर तैयारी का हिस्सा होते हैं।'

उन्होंने कहा कि वह अब हार को बहुत गंभीरता से नहीं लेते हैं और कोर्ट पर जमकर मेहनत करते हैं। लक्ष्य ने कहा, 'मोन, कोच और मेरे पिता सभी मेरा समर्थन करते हैं और मुझे बेहतर बनने में मदद करते हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया को देखा है, जहां हर सप्ताह आप जीतते या हारते हैं। कई बार टूर्नामेंट के अंत में लगातार हार भी मिलती है, लेकिन उसे दिल पर नहीं लेना चाहिए और हर मैच से सीखते रहना चाहिए।'

मौजूदा इंडियन वेल्स चैंपियन की शर्मनाक हरकत, हार के बाद तोड़ा रैकेट, दर्शकों पर भी चिल्लाई

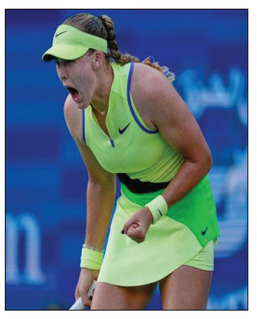

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया) । मौजूदा चैंपियन मीरा एंड्रीवा ने बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में हारने के बाद अपना रैकेट कई बार पटका और फिर दर्शकों पर चिल्लाती हुई कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा गैर वरीयता प्राप्त कैटेरीना सिनियाकोवा से 4-6, 6-7(5), 6-3 से हार गई। मैच के दौरान भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं रहा और हारने के बाद वह अपना आपा खो बैठी। दूसरे सेट का टाईब्रेकर हारने के बाद एंड्रीवा ने अपना रैकेट फेंक दिया और फिर उसे तोड़ दिया जो नियमों का उल्लंघन था। उन्होंने मैच प्वाइंट के बाद अपना रैकेट फिर से फेंक दिया। वह सिनियाकोवा से हाथ मिलाने के लिए नेट पर गई। इसके बाद एंड्रीवा दर्शकों की ओर इशारा करते और चिल्लाते हुए कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा ने बाद में कहा, 'मैं अपने व्यवहार से वास्तव में खुश नहीं हूं। मैंने आखिर में जो कुछ किया उस पर मुझे गर्व नहीं है। यह ऐसी चीजें हैं जिन पर मुझे वास्तव में जल्द से जल्द काम करने की जरूरत है।'

sab ka sapna 11 March 2026:Layout 1 10-03-2026 21:20 Page 8

मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया

फिल्मी दुनिया में अक्सर हम कलाकारों की शानदार लाइफस्टाइल से आकर्षित होते रहते हैं। लेकिन इस शोहरत के पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। दरअसल, उन्होंने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते, जिसे उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया। अनीत पड्डा ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू फीमेल का अवॉर्ड जीता। इसके साथ ही उन्हें व्यूअर्स चॉइस बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची अनीत ने अपनी स्पीच में सबसे पहले अपने पिता का जिक्र किया और कहा, ''मैं इस जीत का श्रेय अपने पापा को देती हूं। यह पल मेरे जिंदगी के सबसे इमोशनल पलों में से एक है। मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया है। मेरे पापा भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब उनकी बेटी ने उनका यह सपना पूरा किया है। मैंने अपने पापा के इस सपने को जिया है।'' अनीत ने पंजाबी भाषा में अपने पापा से कहा, ''अब आपका सपना आपकी बेटी के जरिए पूरा हो गया है। जब आप कहते थे कि मैं अपना सपना तुम्हारे जरिए जी रहा हूं, तो मुझे एहसास होता था कि मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पापा के सपने को भी साकार कर रही हूं।''

स्पीच में अनीत पड्डा ने आगे कहा, ''मैं अपनी जिंदगी में कभी इतनी खुश नहीं हुई हूं। पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और आपकी वजह से ही आज इस मुकाम पर हूं।'' उन्होंने आगे फिल्मों को लेकर कहा, ''जब लोग फिल्मों और शोज में किसी कलाकार के अभिनय पर तालियां बजाते हैं, तो वह तालियां सिर्फ उस अभिनेता के लिए नहीं होतीं। असल में यह तालियां उस कहानी के लिए होती हैं जो स्क्रीन पर दिखाई जा रही होती है, और वह कहानी लोगों की जिंदगी और उनके अनुभवों से जुड़ी होती है। मुझे गर्व है कि मैं इन कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनकर दर्शकों तक भावनाएं पहुंचा पा रही हूं।''

जर्नलिज्म छोड़ अभिनय में बनाई पहचान, साउथ ही नहीं बॉलीवुड में भी श्रद्धा दास ने छोड़ी छाप

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार ऐसे हैं, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों से आकर अभिनय की दुनिया में नाम कमाया है। ऐसी ही एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं श्रद्धा दास, जिन्होंने पत्रकारिता की डिग्री हासिल की, लेकिन किस्मत उन्हें एक्टिंग की ओर ले आई। आज वह साउथ सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं और बॉलीवुड में भी अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। 4 मार्च 1987 को मुंबई के एक बंगाली परिवार में जन्मीं श्रद्धा ने मुंबई विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ मास मीडिया (जर्नलिज्म) की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों में ही उन्हें अभिनय का शौक हो गया। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के कलाकारों जैसे पीयूष मिश्रा और चितरंजन गिरी जैसे एक्टर्स के साथ थिएटर वर्कशॉप की, थिएटर में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। श्रद्धा ने साल 2008 में तेलुगू फिल्म 'सिद्धु फ्रॉम सिकाकुलम' से अभिनय की शुरुआत की, जिसमें वह अभिनेता नरेश के साथ नजर आईं। यह उनका साउथ डेब्यू था। तेलुगू के बाद उन्होंने तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और हिंदी फिल्मों में भी काम किया। साउथ में वह 'आर्या 2', 'डार्लिंग', 'नागावल्ली', और 'गुंटूर टॉकीज' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वहीं, कई फिल्मों में उन्हें 'सीक्वल क्वीन' का टैग भी मिला, क्योंकि वह कई सीक्वल में नजर आईं। श्रद्धा ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से साउथ और बॉलीवुड दोनों में मजबूत जगह बनाई। मॉडलिंग से शुरुआत करने वाली श्रद्धा ने एक्टिंग ट्रेनिंग पर खास ध्यान दिया। वह चुलबुली, तेज और रोमांटिक रोल्स में बखूबी जंचती हैं। श्रद्धा के बॉलीवुड में काम की बात करें तो उन्होंने डेब्यू साल 2010 में फिल्म 'लाहौर' से किया, जिसमें उन्होंने इदा का किरदार निभाया था। इसके बाद 'दिल तो बच्चा है जी', 'लकी कबूतर', 'सनम तेरी कसम', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' जैसी फिल्मों में काम किया।

'सनम तेरी कसम' में उनका किरदार दर्शकों को खासा पसंद आया। फिल्म में उनके किरदार का नाम रूबी रहता है। बॉलीवुड में वह सपोर्टिंग रोल्स में ज्यादा नजर आईं, लेकिन अपनी खूबसूरती, तेज-तर्रार अंदाज और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के बीच प्रभाव छोड़ा। श्रद्धा दास अब तक 50 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जो अलग-अलग भाषाओं में हैं। बेहतरीन एक्टिंग के साथ ही श्रद्धा एक शानदार डांसर भी हैं, जो उनके परफॉर्मेंस को और आकर्षक बनाता है। फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज और टीवी शोज में भी काम कर चुकी हैं।

'जेलर 2' में होगा शाहरुख का कैमियो

पहले भी शाहरुख खान की फिल्म 'रा.वन' में रजनीकांत के मशहूर किरदार चिट्टी का कैमियो दिखाया गया था, लेकिन बाद में अभिनेता सुरेश मेनन ने बताया था कि उस सीन में खुद रजनीकांत मौजूद नहीं थे। वहीं रोहित शेट्टी की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' के गाने लुंगी डांस में भी रजनीकांत को ट्रिब्यूट दिया गया था। लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि जेलर 2 में दोनों साथ में नजर आ सकते हैं। खबरें है कि निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म 'जेलर 2' में दोनों स्टार्स एक साथ दिखाई देंगे। यह जानकारी अभिनेता मोहनलाल के स्टाइलिस्ट जिहाद शमसुद्दीन के इंस्टाग्राम स्टोरी से सामने आई, जिसके बाद फैंस के बीच एक्साइटमेंट और चर्चा तेज हो गई है। हालांकि फिल्म के मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन फैंस के बीच इस खबर की वजह से एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

क्यों हुई चर्चाएं तेज

दरअसल, जिशाद ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक एआई से बनी तस्वीर शेयर की, जिसमें ग्रे-हेयर लुक में शाहरुख खान कार चलाते नजर आ रहे हैं, उनके साथ आगे की सीट पर मोहनलाल बैठे हैं, जबकि पीछे की सीट पर रजनीकांत और शिव राजकुमार दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के कैप्शन में लिखा था कि फैंस 'जेलर 2' में ऐसा फ्रेम देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए जिशाद ने लिखा, 'कंदिप्पा इरुक्कुम यानी (पक्का होगा)', जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में इन सभी स्टार्स का एक साथ सीन हो सकता है।

पहली बार साथ दिखाई दे सकते हैं दोनों स्टार्स

बता दें कि मोहनलाल ने 2023 की हिट फिल्म जेलर में रजनीकांत के किरदार मुथुवेल पांडियन आईपीएस (टाइगर) के दोस्त मैथ्यू के रूप में कैमियो किया था और वह सीक्वल में भी वापसी करेंगे।

केन्या में कैसी रही वाराणसी की शूटिंग

प्रियंका ने दी जानकारी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही इंडियन सिनेमा में फिल्म 'वाराणसी' से वापसी कर रही हैं। यह बड़े पैमाने पर बन रही है। अभी इस फिल्म पर काम चल रहा है। ऐसे में प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि केन्या में फिल्म की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा है।

केन्या में कैसी रही शूटिंग?

प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि केन्या में शूटिंग बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा 'मैं वाराणसी के लिए अफ्रीका के केन्या में शूटिंग कर रही थी। हम जंगली जानवरों के साथ शूटिंग कर रहे थे। उसी दौरान मैं और मेरे को-एक्टर महेश बाबू इन जंगली जानवरों के बीच में थे जो माइग्रेट करते समय हमारे चारों ओर थे। मुझे यह दृश्य बहुत अच्छा लग रहा था। जब आप जंगल में इन जानवरों को देखते हैं तो आपको अच्छा लगता है।' इससे पहले, महेश बाबू ने भी बातचीत में इसी शूटिंग के बारे में बात की थी। एक्टर ने माना कि पहले तो चीजें डरावनी लगीं। जंगली जानवरों से घिरे होने की वजह से शूटिंग का पहला दिन काफी टेंशन भरा था।

सिद्धांत चतुर्वेदी, निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर बनाएंगे बलिया पर फिल्म

छोटे शहर बलिया से निकलकर मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा तक अपनी पहुंच बनानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब अपनी ज़िंदगी के अनुभवों को परदे पर लाने की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में सिद्धांत चतुर्वेदी ने खुद ये बात कही कि वे अपने डियर फ्रेंड और निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर अपने होम टाऊन बलिया को केंद्र में रखकर एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। गौरतलब है कि 'गली बॉय' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'गहराइयाँ', 'खो गए हम कहाँ' और 'धड़क 2' जैसी फ़िल्में की और हमेशा लेयर्ड और हटकर किरदार चुने। यही वजह है कि अपनी हर फिल्म में अपने हर परफॉर्मेंस के लिए सिद्धांत ने अपने दर्शकों की सराहना बटोरी। फिलहाल अब वह अपने करियर के एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां वे चाहते हैं कि कहानी सीधे उनके जीवन और यादों से निकलकर सामने आए। इस बारे में खुलकर बात करते हुए सिद्धांत ने कहा, 'अभी तक ये ऑफिशियल नहीं है, लेकिन मुझे लगता है ये वही स्टेज है जहां मैं बोल देना चाहता हूं। मैं अपनी रूट्स (जड़ों) पर वापस जाना चाहता हूं। मुझे बलिया की कहानी कहनी है। वहां की ज़िंदगी मैंने देखी है, और मैं वही एक्सपीरियंस स्क्रीन पर लाना चाहता हूं।' उन्होंने इस फिल्म में निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ अपने सहयोग को लेकर भी उत्साह ज़ाहिर करते हुए कहा, 'अभिषेक चौबे के साथ हम एक बलिया-बेस्ड स्टोरी पर काम कर रहे हैं। ये वाकई बहुत ही कमाल की कहानी है। इस पर काफी चर्चा चल रही है और मुझे लगता है कि बहुत जल्द ये सबके सामने आएगी।'

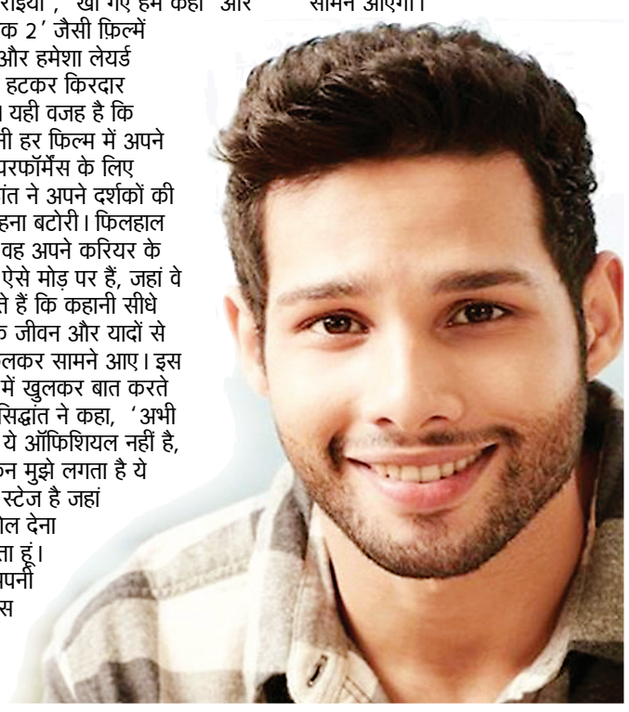

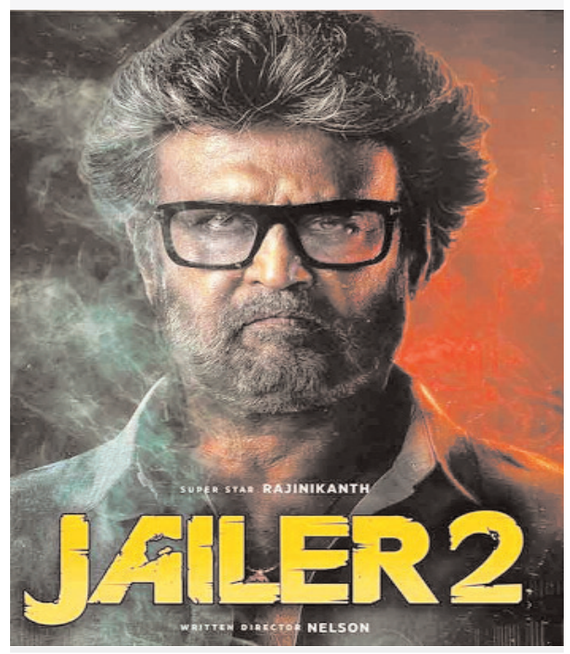

शैतान वाले रोल ने मेरे शरीर को पूरा निचोड़ लिया

गुजराती सिनेमा का जाना-पहचाना चेहरा बन चुकीं ऐक्ट्रेस जानकी बोड़ीवाला अब बॉलिवुड में भी अपने कदम मजबूत कर रही हैं। गुजराती फिल्म वश में जबरदस्त अभिनय के लिए नैशनल अवॉर्ड जीतने वाली जानकी अजय देवगन-आर माधवन स्टारर शैतान के बाद हाल ही में रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 में भी अहम रोल में नजर आईं।

डॉक्टर बनते-बनते ऐक्टर कैसे बन गईं

मेरे पापा को फिल्मों का बहुत क्रेज है तो मैंने भी बचपन से ही खूब बॉलिवुड फिल्में देखी हैं। हमारे घर पर एक मिनी थिएटर था, जो अभी भी है। हमारे घर पर हर शुक्रवार को फिल्मों की स्क्रीनिंग होती थी। जब मैं बोर होती थी तो भी कोई ना कोई डीवीडी चला लेती थी तो जाने-अनजाने में सिनेमा के साथ मेरा रिश्ता बचपन से था। ऐक्टिंग की शुरुआत भी पापा के कहने से ही हुई। मैं डेंटिस्ट की फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी। ब्रेक चल रहा था। पापा ने बोला कि उनके कोई दोस्त फिल्म बना रहे हैं, तुम ऑडिशन देने जाओगी?

वश और फिर उसकी हिंदी रीमेक शैतान में आपकी भूमिका बहुत ही डिमांडिंग है। उसे निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

मुश्किल तो निश्चित तौर पर था। मुझे एक ही किरदार दूसरी बार निभाना था। पहली बार तो मुझे भी अहसास नहीं था कि फिल्म कैसी बन रही है। मुझे याद है कि जब हम शूट कर रहे थे तो एक बार 10-15 दिन का ब्रेक मिला था और मैं काफी अपसेट थी कि यार, सब अच्छा जा रहा है, मेरा लिंक टूट जाएगा लेकिन दूसरे-तीसरे दिन मुझे बॉडी में बहुत थकान महसूस हुई।

'मर्दानी 3' की दुनिया भी काफी स्याह है। गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसी घटनाओं के बारे में पढ़कर-सुनकर क्या प्रतिक्रिया होती है?

गुस्सा आता है, डर लगता है। जब भी हम ऐसा कुछ पढ़ते या सुनते हैं, रूह कांप जाती है क्योंकि कई बार लड़कियों संग बहुत ही भयावह घटनाएं होती हैं। इसलिए, जरूरी है कि हम स्ट्रॉन्ग रहें। मर्दानी उदाहरण है कि आज के दौर में औरत कैसी होनी चाहिए। मुझे लगता है कि आज की पीढ़ी की लड़कियां बहुत स्ट्रॉन्ग हैं। वे ऐसी कोई सिचुएशन आई तो अपने लिए खड़ी रहेंगी।

वैसे आज की पीढ़ी यानी जेन जी के लिए ऐसा भी कहा जाता है कि वे अपने काम/जॉब आदि के लोग गंभीर नहीं हैं। आपकी इस पर क्या राय है?

दरअसल, जेन जी से पहले की जो पीढ़ी है, वो इतनी सीरियस रह चुकी है कि उनको लगता है कि जेन जी सीरियस नहीं है। लेकिन यह वो पीढ़ी है, जो अपनी जिंदगी खुशी-खुशी जी रही है, जैसा कि आपको जीना चाहिए। जेन जी युद्ध या झगड़ों में नहीं मानते।

रानी से पहली मुलाकात कैसी रही?

जब नैशनल अवॉर्ड अनाउंस हुआ था तो हम आधी फिल्म शूट कर चुके थे। उसके बाद जब हम सेट पर मिले तो एक छोटा सा जश्न भी मनाया। एक-दूसरे को बधाई दी। यह बहुत ही बड़ी बात थी हम दोनों एक ही फिल्म कर रहे थे और हम दोनों को एक ही साल में नैशनल अवॉर्ड मिला। यह बहुत ही खास पल था। इसके बाद उन्होंने मेरी फिल्म वश देखी, जो उन्हें बहुत पसंद आई। वैसे, हमारी पहली मुलाकात तो रीडिंग के दौरान ही हो गई थी। असल जिंदगी में भी वह मुझे अपने किरदार शिवानी जैसी ही लगीं। प्रेरणादायी, उत्साही, मजबूत, उनसे मिलकर एक प्रेरणा मिली। फिर उनके साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करके बहुत मजा आया था। मैंने बचपन से उन्हें अलग-अलग करैक्टर निभाते हुए देखा था तो उनके साथ काम करना यादगार रहा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।